दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 206
मुरादाबाद
(Tuesday)
18 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जनता दर्शन रू अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे, सीएम योगी बोले- आप ड्यूटी कीजिए, परिवार की जिम्मेदारी हमारी

जनता दर्शन' में सीएम योगी ने आर्थिक तंगी से जूझ रही महिला के सात माह के बीमार बच्चे का तुरंत इलाज शुरू करवाया। अर्धसैनिक बल के जवान की जमीन कब्जे की शिकायत पर भरोसा दिलाया कि परिवार की जिम्मेदारी सरकार की है। कार्यक्रम में आए 60 से अधिक फरियादियों की समस्याएँ सुनकर समाधान के निर्देश दिए।सुबह एक मां के जीवन में उम्मीद की किरण लेकर आया। जब वह सोमवार को 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलीं। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए सात माह के मासूम की बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने महिला की बात सुनी और तत्काल उन्हें एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहे बच्चे का इलाज शुरू हो गया। वहीं 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से 60 से अधिक फरियादी आए, मुख्यमंत्री ने सभी के पास पहुंचकर उनकी शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को समय से निराकरण का निर्देश दिया।

महिला बेटे के इलाज की फरियाद लेकर पहुंचीं

लखनऊ के राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास में लगाए गए जनता दर्शन% में पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। वे किराए के मकान में रहकर अत्यंत सीमित संसाधन में जीवनयापन कर रही हैं। उनके सात माह के मासूम को हृदय से संबंधित बीमारी है। उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता कर दी जाए। मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को दुलारा-पुचकारा और महिला को आश्वस्त किया कि आप बेफिक्र रहिए, सरकार मदद करेगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को तत्काल एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया और वहां कुलपति को निर्देशित किया कि बच्चे के उपचार की तत्काल व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री के आदेश के उपरांत वहां मासूम का इलाज प्रारंभ हो गया है।आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार पर- जनता दर्शन में बुलंदशहर निवासी अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपनी जमीन के कब्जे संबंधी शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे प्रार्थना पत्र लिया और कहा कि आपकी ड्यूटी देश की सीमा या देश की आंतरिक सुरक्षा में लगी होगी, आप ड्यूटी निभाइए। आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार पर है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस मामले की जांच कराने और जल्द समाधान का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में आए 60 से अधिक फरियादी - 'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेश भर के 60 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री स्वयं सभी के पास पहुंचे। एक-एक करके सभी का प्रार्थना पत्र लिया और समस्याएं सुनीं, फिर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के आदेश दिए। इस दौरान जमीन कब्जा, आर्थिक सहयोग, पुलिस, बिजली समेत अनेक विभागों से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग पहुंचे थे। सीएम ने फरियादियों को आश्वस्त किया कि आपकी सुरक्षा और सेवा सरकार का कर्तव्य है। सरकार पहले दिन से ही इस इस ध्येय के साथ कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

नंदकिशोर गुर्जर बोले- गोवंश काटने वाले की काट दो गर्दन, लखनऊ में किसी की हैसियत नहीं, जो मेरी बात काट दे

लोनी विधायक ने सहारनपुर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि अपने बारे में गलत बातें सुनकर चुप न रहें। कहा कि लखनऊ हो या यहां, किसी की हैसियत नहीं हो मेरी बात काट दे।लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि यदि कोई गोवंश काटने वाला मिल जाए, तो उसकी गर्दन काट दो। तुम्हें अपनी मां की रक्षा करनी चाहिए। यह बात उन्होंने सहारनपुर में आयोजित सनातन चेतना सम्मेलन में कही।सहारनपुर में रणदेवा गांव के प्यारे जी महाराज मंदिर में सोमवार को सनातन चेतना सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पहुंचे लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि हिंदुओं को अब जागना होगा। हिंदू अपने बारे में गलत बातें सुनकर भी चुप ही रहता है। कुछ लोग अपनी मनमर्जी के अनुसार मनगढ़ंत बयान दे रहे हैं। मौर्य घूम-घूम कर देशभर में देवी देवताओं का मजाक उड़ा रहा है और हिंदू केवल सुनते हैं। पर अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई गोवंश काटने वाला मिल जाए तो उसके सामने हाथ नहीं जोड़ने, बल्कि उसी समय उसकी गर्दन काट देनी चाहिए। ताकि उसे तुरंत सख्त सजा मिले सके। ऐसा करने से हमने कानून अपने हाथ में भी नहीं लिया। प्रत्येक हिंदू का कर्तव्य है कि वह अपनी मां की रक्षा करे। कहा कि इस समय पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। एक समुदाय के लोगों की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है।

दो पैन कार्ड केसः सपा नेता आजम खां और अब्दुल्ला को सात-सात साल की सजा, 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया

अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शोभित बंसल की कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों को दोषी करार देते हुए सात-सात साल की सजा सुनाते हुए 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। इस दौरान कोर्ट में वादी भाजपा विधायक आकाश सक्सेना भी मौजूद रहेरामपुर की अदालत ने मंगलवार को सपा नेता आजम खां और उनके बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को दो पैन कार्ड मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की कैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। फैसले के बाद दोनों को अदालत ने तुरंत कस्टडी में ले लिया।मामले की सुनवाई के दौरान वादी भाजपा विधायक आकाश सक्सेना भी कोर्ट में मौजूद रहे। फैसले को देखते हुए कचहरी परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। बाहर बड़ी संख्या में भाजपा और सपा कार्यकर्ता भी एकत्र हो गए थे। इससे परिसर के आसपास तनाव का माहौल बना रहा।आजम खां के खिलाफ दर्ज कुल 104 मामलों में से अब तक 12 में फैसले आ चुके हैं। इसमें सात मामलों में उन्हें सजा और पांच मामलों में बरी किया जा चुका है। दो पैन कार्ड मामले में मिली सात साल की सजा सपा नेता और उनके बेटे के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है।भाजपा विधायक ने दर्ज कराई थी प्राथमिकी - भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को दी एक तहरीर दी थी। इसमें आरोप लगाया कि अब्दुल्ला आजम के पैन कार्ड में जन्म तिथि एक जनवरी 1993 है, जो कि शैक्षिक प्रमाणपत्र के आधार पर सही है। इसी पैन कार्ड से अब्दुल्ला ने आयकर के रिटर्न दाखिल किए हैं। जबकि स्वार-टांडा से 2017 के विधानसभा चुनाव के नामांकन में प्रस्तुत पैन अलग है। यह पैन कार्ड बैंक पासबुक में कूटरचना कर हाथ से लिखा गया था। नामांकन की तिथि पर यह पैन संचालित नहीं था। आरोप है कि अब्दुल्ला आजम ने अपने पिता आजम खां के साथ सुनियोजित षड़यंत्र के तहत चुनाव नामांकन आयु संबंधी अयोग्यता छुपाने के लिए कूटरचना कर जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्शाते हुए दूसरा पैन कार्ड बनवाया था। इस पैन कार्ड को आयु पूर्ण करने संबंधी लाभ प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल में लाया गया। सक्सेना का आरोप था कि अब्दुल्ला आजम ने कूटरचित मिथ्या दस्तावेज तैयार किए और प्रस्तुत नामांकन पत्र स्वीकार कराकर विधानसभा का चुनाव जीता। इस तहरीर के आधार पर सिविल लाइंस कोतवाली की पुलिस ने सांसद आजम खां और विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 120 बी के तहत रिपोर्ट दर्ज की थी।

साध्वी प्राची का बयान- मदरसों की जांच कराई जाए, मिलेगा हथियारों का जखीरा, इमरजेंसी लगाने की मांग उठाई

विहिप की सदस्य साध्वी प्राची आर्य ने कहा कि पहले पंक्चर वाले बम ब्लास्ट करते थे, अब डॉक्टर भी कर रहे हैं। ढिकौली के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पानी में मिलाकर पेशाब पिलाने के मामले में जांच और कार्रवाई की जाए। विश्व हिंदू परिषद की सदस्य साध्वी प्राची आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मदरसों की जांच कराएं तो वहां हथियारों का जखीरा मिलेगा। प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर मदरसों की जांच कराने और सनातन धर्म की रक्षा के लिए देश में इमरजेंसी लगाने की मांग की जाएगी।दिल्ली-सहारनपुर हाईवे स्थित एक प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक में साध्वी प्राची आर्य ने कहा कि अगर इंदिरा गांधी की प्रधानमंत्री की कुर्सी बचाने के लिए देश में इमरजेंसी लगाई जा सकती है तो सनातन धर्म को बचाने के लिए भी इमरजेंसी लगाई जाए। दिल्ली में लालकिले के पास हुए धमाके पर उन्होंने कहा कि पहले पंक्चर ठीक करने वाले और ठेली लगाने वाले धमाके करते थे, लेकिन अब डॉक्टर भी इसमें शामिल हो गए। इन सभी पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। ढिकौली गांव के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पानी की बोतल में पेशाब पिलाने की घटना की जांच कराने और उसमें शामिल सभी आरोपियों की भूमिका उजागर कर गिरफ्तार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों को भी सनातन धर्म के विरोध में खड़ा किया जा रहा है। इसमें मदरसों की भूमिका सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि मस्जिद में बैठकर मौलाना सभी काम करते हैं, जो युवाओं की मानसिकता को बदलते हैं और उनसे गलत कार्य कराए जाते हैं। ऐसे लोगों को सबक सिखाया जाना जरूरी है। उन्होंने लोगों से संगठित रहने और बेटियों को पढ़ाई के साथ आत्मरक्षा के गुर भी सिखाने की अपील की। इस अवसर पर बेटी बचाओ संघर्ष समिति का गठन किया गया। बैठक में मधुसूदन शास्त्री, अंकित बडौली, प्रियंका आर्य, चिंटू उर्फ अमित मिश्रा, प्रमोद शर्मा, जय कुमार तोमर, रवि पालीवाल, आलोक आदि मौजूद रहे।

राहुल गांधी मानहानि मामलाः फिर टली सुनवाई... गवाहों के अनुपस्थित रहने के कारण कार्रवाई में हो रही देरी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जुड़े मानहानि के मामले में एक बार फिर सुनवाई टल गई। मामले से संबंधित गवाह उपस्थित नहीं हुआ।रायबरेली सांसद राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले की सुनवाई सोमवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में टल गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने बताया कि गवाह राम चंद्र दुबे के अनुपस्थित रहने और स्थगन प्रार्थना पत्र देने के कारण कार्यवाही नहीं हो सकी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी।यह मामला वर्ष 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। मिश्रा, कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 के कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पांच साल तक अदालती कार्यवाही चली।राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। गत 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए इस मामले को राजनीतिक साजिश करार दिया था। राहुल गांधी के बयान के बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है

100 साल में पहली बार नियमों का पालन कर रहा है RSS', मंत्री प्रियांक खरगे का संघ पर करारा हमला

कांग्रेस नेता और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर करारा हमला बोला है और कहा कि आरएसएस 100 साल में पहली बार नियमों का पालन कर रहा है। बता दें कि आरएसएस के मार्च शुरू होने से पहले बजाज कल्याण मंटप के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।कलबुर्गी में कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने रविवार को आरएसएस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि संगठन 100 साल में पहली बार नियमों का पालन करते हुए रूट मार्च कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार चित्तापुर में होने वाले मार्च के लिए आरएसएस ने कानूनी और संवैधानिक अनुमति ली है, जो पहले नहीं देखा गया था।क्या है मामला?- चित्तापुर विधानसभा क्षेत्र, जहां से प्रियांक खरगे विधायक हैं, में आरएसएस ने रूट मार्च निकालने की योजना बनाई थी। शुरुआत में जिला प्रशासन ने अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद संगठन अदालत पहुंचा और वहीं से इजाजत मिली। प्रियांक खरगे ने कहा कि वे मार्च के खिलाफ नहीं हैं, बस नियमों के पालन पर जोर है। उन्होंने कहा, मैंने कभी रूट मार्च का विरोध नहीं किया। मैंने बस इतना कहा कि अनुमति लेनी चाहिए। उनके यहां नियमों का पालन करने की आदत कम है, लेकिन अब कर रहे हैं, अच्छी बात है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशासन ने कड़े नियम और शर्तें लगाई हैं। उन्होंने कहा, अगर शर्तें नहीं मानी गईं, तो कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी। इसमें समस्या ही क्या है?।

उनका दावा है कि यह पहली बार है जब आरएसएस कानून और संविधान के अनुसार चल रहा है। आरएसएस के मार्च से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम- आरएसएस के मार्च शुरू होने से पहले बजाज कल्याण मंटप के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। इस कड़ी में बम निरोधक दस्ता और स्निफर डॉग्स ने जगह-जगह जांच की है। इसमें पेड़ों से लेकर इमारतों की छतों तक पर नजर रखी जा रही है। भारी पुलिस बल तैनात है और पूरे रास्ते पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

RSS के मार्च का समय और रूट- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का रूट मार्च शाम 3.30 बजे बाजाज कल्याण मंटप से शुरू होगा, लगभग 1.2 किमी चलेगा और फिर उसी इलाके में समाप्त होगा। यह पूरा घटनाक्रम राजनीतिक बयानबाजी, प्रशासनिक सख्ती और सुरक्षा तैयारियों के बीच इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

संपादकीय Editorial

Nitish is the "leader."

Bihar has given the BJP-NDA a massive, historic, and unexpected mandate this time. It has been proven that Nitish Kumar is the "supreme leader" of Bihar. The election was fought under Nitish's leadership. This is a remarkable achievement in Nitish's political career, as the Janata Dal-United (JDU) has nearly doubled its lead compared to 2020. At 9:56 a.m. on the day of counting, the BJP was leading in 69 seats and the JD-U in 76. Even after that, the two alliance partners maintained their lead at 71-71, 75-75, and 79-79. What a remarkable mandate! Ultimately, the BJP emerged as the largest party. If this is the final mandate, it will be an unprecedented mandate in favor of the BJP-NDA. The NDA initially led in 190 seats, while the Grand Alliance was ahead in only 50. What a wide gap! It is certain that the electoral contest proved to be one-sided. BJP's "Chanakya" and Home Minister Amit Shah also predicted around 160 seats, but the results proved to be a landslide. It's surprising that Nitish Kumar, despite being in power for 20 long years, has proven to be acceptable and relevant. We made a similar analysis a few days ago, stating that there is no one against Nitish, and a "wave" is a distant dream. Now, Nitish should be considered the new "people's leader" of Bihar. Nitish is undoubtedly the "last leader" of the group and generation that began politics under the leadership of Jayaprakash Narayan, under the banner of "Total Revolution." The generation of George Fernandes, Sharad Yadav, Karpoori Thakur, Ram Vilas Paswan, and others has passed away, and Lalu Yadav is unwell, leaving Nitish alone to be hailed as the "people's leader" after this historic mandate. This is a resounding victory of Nitish's acceptance in Bihar and Prime Minister Modi's popularity among the common people. This is the fifth consecutive election victory for the BJP-NDA in Bihar under the leadership of Prime Minister Modi. It all began with the 2014 Lok Sabha elections. This is also a repeat of the BJP-NDA's landslide victory in 2010. Even choosing a Leader of the Opposition in the House seems difficult. The BJP-NDA mandate is not merely a mandate of overwhelming support from "ten thousand" women, but also the mandate of the majority of Bihar's upper castes, upper castes, backward castes, extremely backward castes, Dalits, Mahadalits, youth, elderly, and even Muslims. Votes for the NDA transcended caste, religion, community, race, gender, and so on. This is undoubtedly a "sweep" mandate. It's an absolutely unimaginable mandate. At the time of writing this editorial, the NDA had a lead in 206 seats, while the opposition alliance had a lead in just 30. The BJP emerged as the largest party with 95 seats, while the JD(U) had a lead in 82. Chirag Paswan's Lok Janshakti Party (R) also made an invaluable contribution by gaining a lead in 20 seats. Opposition chief ministerial candidate Tejashwi Yadav's RJD had a lead of only 25 seats. Tejashwi himself was trailing. Congress was projected to win only 3 seats. It is clear that it has been wiped out in Bihar. The figures may change slightly, but the mandate remains the same. Congress won 19 seats in 2020. The opposition CPI (ML) is also expected to be reduced to just 4 seats. Congress chief spokesperson Pawan Khera commented that Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar Gupta overestimated the people of Bihar. This is a frustrated comment. While this election proved to be unprecedented, many challenges remain for Chief Minister Nitish Kumar and his constant aide, Prime Minister Modi. Migration is a most sensitive issue, directly linked to employment. More than 30 million people in Bihar have been lifted above the poverty line, but more than 33.

A moment of great crisis for the Grand Alliance, its future in question

His absence from Bihar for nearly two months after the Vote Adhikar Yatra also raised questions. The assembly election results indicate that the people's court has rejected the allegations of vote theft. Despite 20 years of Nitish Kumar's rule, the Grand Alliance's crushing defeat is a blow to its morale and a question mark on its future. The RJD, which emerged as the largest party last time, fell short of its majority this time, while the LJP (R), which has a predominantly Dalit base, became even larger than the Congress. Clearly, this is a moment of great crisis for the Grand Alliance. Congress's weakness, lack of coordination within the Grand Alliance, NDA's strategy, and the fear of 'jungle raj' pose a threat to the future of the Grand Alliance. Raj Kumar Singh. The Grand Alliance lagged behind the NDA in the race for power in the last Bihar assembly elections by less than one percent of the vote and 15 seats, and the blame for the defeat was placed on the Congress. At that time, Congress, which contested 70 seats, won only 19. The Left parties performed even better. This time, Congress proved to be an even weaker link. Formal seat-sharing between the RJD and Congress failed to materialize until the end. As a result, a friendly contest took place in more than ten seats. However, the huge discrepancy in vote percentages and seats between the Grand Alliance and the NDA suggests that instead of learning from the past, more mistakes were made. Coalition politics requires balancing and coordinating party interests. Because the NDA was able to achieve this despite numerous speculations of checkmate, the electoral wave was marked by a "pro-incumbency" rather than an "anti-incumbency" sentiment. After losing the race for power by a narrow margin in the last election, the Grand Alliance, instead of engaging in grassroots political work, remained preoccupied with internal squabbling. This could have been addressed through improved social alignment, but nothing significant was done in this direction. The way Mukesh Sahni, who won only 15 seats, was declared the Deputy Chief Ministerial candidate only led to electoral losses for the Grand Alliance. Congress leaders and supporters, contesting 61 seats, were not only disillusioned, but Muslims and Dalits, who play a decisive role in many seats, were also disappointed. The RJD, contesting 143 seats, fielded 52 Yadav candidates, or approximately 36 percent, sending a negative message to other OBC castes, especially EBCs. The RJD, which has a predominantly Yadav-Muslim support base, could have attempted to expand its and the Grand Alliance's support base by giving more tickets to other communities. Through its alliance and seat-sharing, the NDA succeeded in conveying the message of representation for all communities, but the Grand Alliance failed. Tejashwi Yadav failed to shake off the burden of Jungle Raj, and by raising the fear of its recurrence, the NDA once again won. From the NDA platform, the Lalu family was also called the "Maha-Bhrasht" (corrupt) family, as almost the entire family is facing legal charges in corruption cases. While many issues play a role in elections, law and order and corruption are issues that directly impact the public. Therefore, voters generally remain uncompromising on these issues. Tejashwi Yadav, the former Deputy Chief Minister, took credit for the jobs provided during the Grand Alliance government, believing he would become the youth's favorite, but naturally, he couldn't deny the Chief Minister that credit. Congress wanted to emphasize the "guarantee card" tested in Karnataka, Telangana, and Himachal Pradesh, but Tejashwi continued to harp on "rag-naukari" (jobs). State-by-state freebies are proving decisive in electoral politics. Nitish Kumar also made several populist announcements just before the elections, including transferring ?10,000 each to the bank accounts of over 125 million women. Tejashwi also made populist promises, but Nitish, with his better track record, prevailed. People preferred to trust the current government rather than a "potential" government. Furthermore, Tejashwi failed to reveal his blueprint for fulfilling his promises until the end. Tejashwi, following the NDA, expanded the Grand Alliance but failed to present a united image. He focused more on projecting himself by naming the Grand Alliance's manifesto "Tejaswi Pranab." He was the Grand Alliance's natural chief ministerial face, but the delay in Congress's approval had a negative impact. In fact, the two major parties in the Grand Alliance: RJD and Congress, appeared more in competition with each other during the election campaign than united. Rahul Gandhi had announced a ten-point agenda focusing on EBCs to increase his support base, but Tejashwi's manifesto did not give it much importance. From seat sharing to manifesto and election issues, the Grand Alliance appeared confused this time. Bihar did not suddenly become a poor state. Migration did not begin during Nitish's rule. The fact that Jungle Raj is still an election issue clearly indicates that conditions have improved in the last 20 years. Despite this, these could have become serious election issues, but Rahul Gandhi, on behalf of the Grand Alliance, instead focused on vote theft. His absence from Bihar for almost two months after the Vote Adhikar Yatra also raised questions. The assembly election results show that the people's court has rejected the allegation of vote theft. The crushing defeat of the Grand Alliance even after 20 years of Nitish's rule is not only a blow to its morale but will also put a question mark on its future. RJD, which emerged as the largest party last time, this time fell to less than half its size, while LJP (R), which has a predominantly Dalit support base, became a bigger party than the Congress. It is clear that this is a great defeat for the Grand Alliance. This is a time of great crisis.

Everyone must fight the war against terrorism; security forces and intelligence agencies, as well as the public, must remain vigilant.

The support Pakistan receives from countries like the United States and Turkey has proven to be an encouragement and support for terrorists. Every citizen of India, along with every individual involved in the security system, needs to remain vigilant and active at all times. Except for Jammu and Kashmir, the rest of the country has been virtually free of terrorist attacks for the past decade. However, the car bombing near the Red Fort in Delhi brought back memories of the past, when single or series of explosions would shake the nation at regular intervals. The absence of any major terrorist incident in the rest of the country for a long time had given the public a sense of reassurance that terrorists would no longer be able to carry out attacks. However, the recent seizure of destructive materials and arrests of suspected terrorists from the Kashmir Valley to Saharanpur in Uttar Pradesh, Faridabad in Haryana, Gujarat, and Delhi has renewed their concerns. It cannot be ignored that in recent times, reports of the capture of one terrorist module or another have been coming from various parts of the country. Recently, a doctor from Hyderabad was caught in Gujarat with materials and weapons for making deadly chemicals. Two of his associates, who are from Uttar Pradesh, were also arrested. In April this year, when terrorists killed 26 people in Pahalgam, Jammu and Kashmir, after questioning their religion, India responded with Operation Sindoor, delivering the biggest blow to cross-border terrorism to date, destroying key bases of Pakistan-based terrorist groups like Jaish-e-Mohammed and Lashkar-e-Taiba. They must have been plotting a major retaliation since then. The manner of the Red Fort blast and the conspiracy story that has emerged so far show a link to the jihadist terror attack of six years ago in Pulwama. Although the full truth will only be revealed after investigation, the events behind it appear to be connected. After posters in support of Jaish-e-Mohammed were put up in Srinagar, police arrested some terrorist sympathizers and stone-pelters. They identified a cleric involved in suspicious activities. After questioning him, Dr. Adil, a resident of Anantnag, was arrested in Saharanpur, Uttar Pradesh. When the police brought him to Srinagar and interrogated him, an assault rifle was recovered from his hideout at the government hospital in Anantnag. Further investigation led the police to Dr. Muzammil, a resident of Pulwama district. Based on this information, the police raided Al Falah Medical College in Dhauj, Faridabad, and recovered 360 kilograms of explosives, an AK-47 rifle, 84 cartridges, a timer, gelatin sticks, and other materials. The investigation then led the police to Fatehpur Taga village in Faridabad, where they were shocked to discover a pile of explosives in a house. Fatehpur Taga village is four kilometers from Dhauj. Dr. Muzammil had rented this house from Maulana Ishtiyak. The seizure of approximately 3,000 kilograms of ammonium nitrate explosives is one of the largest seizures ever. Those arrested in this case so far are highly educated and from affluent families. Dr. Muzammil is a physician and taught at Al Falah Medical College in Faridabad. None of the arrested, including Maulvi Irfan Ahmed of Shopian, Maqsood Ahmed Dar, Arif Nisar Dar and Yasir Ul Ashraf of Srinagar, and Zameer Ahmed Ahangar of Ganderbal, are poor, unemployed, or illiterate. Dr. Umar Nabi, who was killed in the Red Fort blast, was a doctor at Al Falah Medical College in Faridabad with an MD in Medicine. Dr. Adil is his associate. One of their associates, Dr. Shaheen, is from Lucknow. A rifle was recovered from her car. Additional doctors may be involved in the Faridabad module. Only an investigation will reveal why they formed this terrorist module. How did they gather so many explosives and weapons, who were behind it, and where the bombings were planned? Based on an analysis of jihadist incidents over the past three decades, the conclusion is that the terrorists were inspired by their radical religious ideology for the Red Fort blast. Therefore, knowing that they themselves would be killed in the explosion or face the death penalty if caught, they did everything. We must accept the fact that while the actions of the security forces may weaken them temporarily, eliminating the deadly religious ideology of Islamizing the world and teaching a lesson to the infidels is not an easy task. In Faridabad, a man rented a house and kept bringing in large quantities of explosives, but the landlord or anyone else made no attempt to stop him or inform the police. It is possible that these terrorists received support from local people. It cannot be ignored that in most terrorist incidents in India and the world, local people have been involved. When Pakistan's Jihadi General Asim Munir says that Muslims cannot live with Hindus, that Pakistan is the second state to be created on the basis of the Kalma after Medina, and that Kashmir is our jugular vein, it should be understood how difficult the fight against terrorism is. The support that Pakistan receives from countries like the United States and Turkey has proven to be an encouragement and support for terrorists. Every person involved in the security system, along with all citizens of India, needs to remain vigilant and active at all times. We never know who around us, armed with a jihadist mindset, might be plotting horrific violence. India's resolve is to eradicate terrorism completely. This resolve will be strengthened when every citizen demonstrates vigilance in the fight against terror.

दोस्तों के मजाक ने दिखाई राह.. लकड़ी की बनाई एक्टिवा; जीन्स के कपड़े पर शीशम के टुकड़ों को चिपका बनाई बॉडी

मुरादाबाद के कारीगर अब्दुल मन्नान ने 13 साल पुरानी अपनी दो पहिया वाहन के सभी बॉडी पार्ट्स शीशम की लकड़ी से तैयार कर दिए। बिना कील के जीन्स कपड़ा, फेविकोल और एयरालाइट से पार्ट्स बनाए और फायर-प्रू व एपॉक्सी फिनिश से मजबूती बनी है।कहते हैं कि मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके से उड़ान होती है। दोस्त 13 साल पुरानी स्कूटी का न कुछ अलग किया जाए और लकड़ी से स्कूटी के बॉडी कड़ी मशक्कत के बाद स्कूटी बॉडी पार्टस बनाकर सपने तो लोग स्कूटी घेर लेते हैं और उनके तरह-तरह के बना दिए? शहर के वाड.20 भीमाठेर के रहने वाले हैं कि अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए विचार लकड़ी से बनाए जाएं। शुरुआती दौर में लगता था कि बीना लकड़ी से स्कूटी के बॉडी पार्टस बनाने का काम पर लोहे की कील का इस्तेमाल नहीं किया बल्कि फेविकोल और एयरालाइट की मदद से चिपाकर अलग-सकें इसलिए उन्हें मजबूती के साथ चिपकाया गया है।

ताकि आग लगने पर ज्यादा नुकसान न हो। इसके बाद लकड़ी पर एपोक्सी, पियू फिनिश का काम किया गया है। अब्दुल मन्नान ने बताया कि होंडा एक्टीवा के बॉडी पार्टस बनाने का कारण अपनी कला सबको दिखानी थी और यह स्कूटी अपनी पहली कमाई से 2012 में खरीदी थी। इससे कई यादें जुड़ीं हुईं हैं। अपने समय को व्यर्थ न करें सभी के अंदर कुछ न कुछ करने का टेलेंट है। वक्त का सही जगह इस्तेमाल करें। दोस्त 13 साल पुरानी स्कूटी का मजाक उड़ाते थे। बाजार जाने पर लोग चारों तरफ से घेर लेते हैं और तरह तरह के सवाल करते हैं आखिर लकड़ी से कैसे इसके बॉडी पार्टस बनाएं गए हैं। लोग स्कूटी के साथ फोटो खींचते हैं, तो अच्छा लगता है। आगे कुछ बड़ा करने की जीद है। अब्दुल मन्नान, मुरादाबाद आर्टिस्ट शहर की सड़कों से सोशल मीडिया पर वायरल- पिछले कुछ दिनों से यह स्कूटी शहर की सड़कों से लेकर सोशल मीडिया पर वायरल है। शहर की सड़कों पर यह स्कूटी दौड़ रही है और सबका ध्यान अपनी तरफ खींच रही है। यह स्कूटी ओर स्कूटी से अलग है क्योंकि इसके बॉडी पार्टस लकड़ी से बनाए गए हैं। यह सड़कों पर अनोखा नजारा पेश कर रहा है।

विवाद के बाद पत्नी ने जहर खाया जान, सदमे में आया पति ट्रेन के आगे कूदा, दोनों की चली गई जान

मुरादाबाद में परिवारिक विवाद के चलते पत्नी ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। इससे आहत होकर पति ट्रेन के आगे कूद गया। इसमें उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के फैलदा गांव है। विवाद के बाद पत्नी ने कीटनाशक खाकर अपनी जान दे आगे कूद गया। इसमें उसकी मौत हो गई। पति-पत्नी की पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के रही है।फैलदा गांव निवासी अमीर चन्द्र (35) किसानी के विवाह करीब आठ साल पहले चंदौसी थाना क्षेत्र के गूमथूल उनके दो बच्चे माधव और वासु हैं। परिवार का जीवन पहले मीरा ने लोधीपुर गांव में ही स्थित पीतल फर्म में काम को नागवार गुजरी। नौकरी को लेकर पति-पत्नी के बीच को दोनों के बीच इसी को लेकर तीखी बहस हो गई। पत्नी मीरा ने घर में रखा कीटनाशक पी लिया। इससे उसकी फानन स्थानीय अस्पताल ले गए। स्थिति में सुधार नहीं होने पति सोमवार की सुबह गांव से गुजरने वाली रेल लाइन में

रफ्तार ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। इससे शरीर क्षत-विक्षत हो गया। अमीर की भी मौत की खबर फैलते ही पूरे फैलदा गांव में सनसनी फैल गई। कुंछ घंटों के भीतर पति-पत्नी की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। थाना प्रभारी योगेश मावी और सीओ हाईवे समेत कई पुलिस अधिकारी गांव पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से जानकारी जुटाई।

सड़क सुरक्षा नियमों के विषय में जागरुक कर शपथ दिलाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच / यूसुफ / यातायात माह नवम्बर-2025 के अन्तर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मुरादाबाद के निर्देशानुसार आज दिनांक 17.11.2025 को प्रस्तावित कार्यक्रमानुसार यातायात पुलिस थाना पुलिस द्वारा निम्नानुसार कार्यवाही की गयी - यातायात प्रति जागरूकता कार्यवाही का विवरण:- यातायात माह के अंतर्गत यूनिवर्सिटी के कुल 300 छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेस एवं यातायात, श्री राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी हाईवे, श्री मिथलेश कुमार थानाध्यक्ष पाकबडा, श्रीमती ऋतु नारंग, समाजसेविका द्वारा सड़क यातायात माह के अन्तर्गत उपनिरीक्षक यातायात श्री गुलवीर सिंह, वीरभगत सिंह द्वारा दो पहिया । तीन पहिया एवं आम-जनमानस छे बैठी सवारी द्वारा हेल्मेट लगाने, मानक से अधिक सवारी ना नियमों के बारे में जागरुक किया व अपने अभिभावकों को यातायात के विभिन्न चौराहों/ तिराहो पर यातायात पुलिस तथा थाना पुलिस तथा आम जनमानस को बैनर तथा पम्पलेट के माध्यम से यातायात स्थानीय स्तर पर बाजार आदि स्थानों पर पम्पलेट एवं यातायात दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में कमी लाये जाने हेतु सड़क की कार्यवाही करते हुए आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु आग्रह स्थानों बस स्टैण्ड / रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर पैदल यात्रियों को के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्रामों व नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया यातायात माह के अन्तर्गत

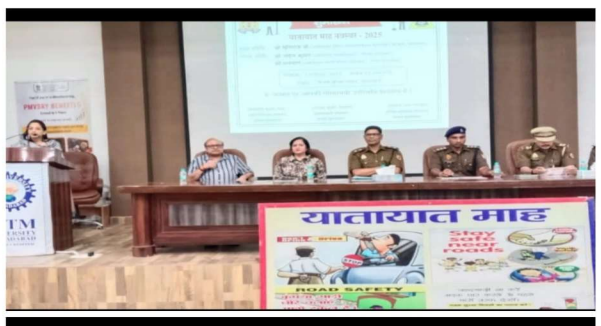

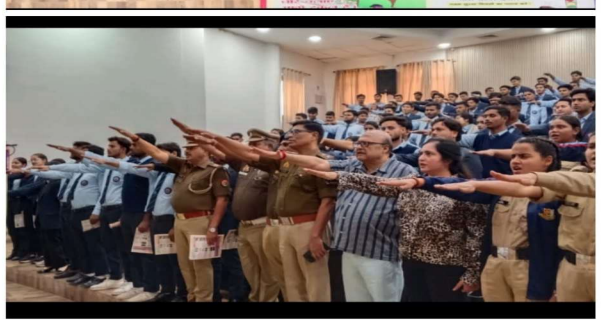

पुलिस एवं थाना पुलिस द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन के आई0एफ0टी0एम0 यूनिवर्सिटी में कुल सचिव संजीव अग्रवाल, अध्यापकों के साथ श्री सुभाष चन्द्र गंगवार, पुलिस अधीक्षक, सिंह, प्रभारी निरीक्षक यातायात, श्री योगेश कुमार मावी, सुरक्षा नियमों के विषय में जागरूक कर शपथ दिलायी गयी। उपनिरीक्षक यातायात सतीश सोम व उपनिरीक्षक यातायात को वाहन चलाते समय हेल्मेट लगाने, सीट-बैल्ट लगाने, पी बैठाने आदि से सम्बन्ध में पम्पलेट वितरित कर यातायात नियमों के विषय में जागरूक किया गया इसके अतिरिक्त शहर द्वारा दो पहिया । तीन पहिया चार पहिया वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरुक किया गया। यातायात पुलिस द्वारा सम्बन्धी बेनर के माध्यम से लगभग 350 व्यक्तियों को सड़क सुरक्षा सम्बन्धी उपायों को अपनाकर जनसहयोग से जागरूकता किया गया।यातायात पुलिस द्वारा यातायात की दृष्टि से व्यस्त सड़क सुरक्षा सम्बन्धी पम्पलेट वितरित कर यातायात नियमों कस्बों में आमजन को यातायात नियमों के बारे में बताते हुये यातायात पुलिस एवं थाना पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध निम्नलिखित कार्यवाही की गयी वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग न करने वाले 533 वाहन चालकों के चालान किये गये। वाहन चलाते समय सीट-वेल्ट का प्रयोग न करने वाले 39 वाहन चालकों के चालान किये गये वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का प्रयोग करने वाले 10 वाहन चालकों के चालान किये गये वाहन को ओवर स्पीड से चलाने वाले 36 वाहन चालकों के चालान किये गये।विना वैध ड्राइविंग लाइसेन्स के वाहन चलाने वाले 116 वाहन चालकों के चालान किये गये। विना वैध वायु/ध्वनि प्रदूषण सर्टिफिकेट के वाहन चलाने वाले 59 वाहन चालकों के चालान किये गये वैध बीमा के विना वाहन चलाने वाले 36 वाहनों के चालान किये गये दो-पहिया वाहन पर तीन सवारी चलने वाले 74 वाहन चालकों के चालान किये गये। नो-पार्किंग में खड़े 103 वाहनों के चालान किए गये। फॉल्टी नम्बर प्लेट लगे 45 वाहनों के विरूद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही की गयी। विना वैध प्रपत्रों के चलने वाले 8 वाहनों को सीज किया गया । विभिन्न यातायात उल्लंघन पर कुल 1025 चालान कर 188400 रूपये सम्मन शुल्क वसूल किया गया।

पहले से ही महंगी थाली का बजट 15 दिन में और बढ़ा, आमजन परेशान

मुरादाबाद । बेमौसम बारिश व खराब फसलों का असर आम आदमी की थाली पर दिख रहा है। पहले से ही महंगी थाली का बजट 15 दिन में और बढ़ गया है। इससे आमजन परेशान हैं। हाल यह है कि सर्दी के मौसम में घरों में जहां हरी सब्जियां थाली से गायब हैं। वहीं, बिगाड़ दिया है।सर्दी में मौसमी सब्जियां खूब उपलब्ध होती थी, लेकिन मेथी, मूली से लेकर हरी धनिया के दाम आसमान छू रहे हैं। गोविंद नगर माह में हुई बेमौसम बारिश सब्जियों की बढ़ी कीमतों की मुख्य वजह है। अभी तक मंडी नहीं पहुंच रही हैं। इससे ज्यादातर सब्जियों की आवक लेकर फुटकर दुकानों में आम आदमी को बढ़ी हुई कीमतों में सब्जियां में लोगों ने बताया कि सब्जी की कीमतें आसमान छू रहीं हैं। इससे सर्दी शुरु होते ही सब्जियां सस्ती हो जाती थीं। लेकिन, इस बार तो जैसे बिगाड़ रहे हैं। गरीब व मध्यम वर्ग का सारा बजट रसोई में ही खर्च हो लोगों के बाहर हो गया है। चार लोगों के परिवार के लिए एक दिन में

टमाटर व धनिया की बढ़ती कीमतों ने लोगों का स्वाद इस बार सब्जियां आमजन की थाली से दूर हैं। पालक, सब्जी मंडी में विक्रेता सुनील सैनी ने बताया कि है कि बीते मोंटी ने बताया कि बारिश के कारण स्थानीय सब्जियां बाहर से हो रही है। नवंबर की शुरुआत से थोक मंडी से खरीदनी पड़ रही हैं। रविवार को कटघट छोटी सब्जी मंडी उनका बजट बिगड़ रहा है। खरीदार नीलू ने बताया कि उनमें आग सी लगी है। धनिया, टमाटर जैसी चीजें बजट जाता है। साक्षी गौतम ने बताया कि सब्जी खरीदना आम सब्जी का खर्च दो सौ रुपये तक आता है। टमाटर, गोभी, पालक व मेथी के दाम बीते वर्ष की तुलना में तीन गुने से ज्यादा है। वहीं आलू भी लोगों की पहुंच से दूर दिखाई देने लगा है। 15 दिनों में सब्जियों के दामों में अंतर- सब्जी अब 15 दिन पहले

आलू 20 16 टमाटर 70 35 गोभी 70 60 बैगन 50 35 परवल 120 90 शिमला मिर्च 80 60 मूली 50 60 धनिया 200 150 मटर 180

संक्षिप्त समाचार

423 करोड़ से चमकेगा संभल, तीर्थस्थलों का होगा विकास, पर्यटन योजनाएं भरेंगी उड़ान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में तीर्थ,पर्यटन विकास के साथ ही कलेक्ट्रेट व पीएसी वाहिनी निर्माण सहित तमाम विकास योजनाओं को लेकर अफसरों को निर्देश दिये। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने संभल को तीर्थ पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु 15 प्रमुख बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में आवास, स्वास्थ्य, न्याय, सुरक्षा, तीर्थ विकास, सड़क निर्माण और पर्यटन से जुड़ी योजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने संभल में वाराणसी और गोरखपुर मॉडल की तर्ज पर एकीकृत कलेक्ट्रेट भवन स्थापित करने के निर्देश दिए। इसके लिए 15 दिनों में डीपीआर तैयार करने को कहा। इसके साथ ही जिला अस्पताल की स्थापना के लिए आवश्यक भूमि को तुरंत राजस्व विभाग से स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित करने के निर्देश दिये। संभल जनपद में जिला कारागार व पीएसी बटालियन भवन का निर्माण जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए । पीएसी बटालियन भवन निर्माण को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव गृह को तत्काल कार्यदायी संस्था नामित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव, न्याय विभाग को निर्देश दिए कि संभल जिला न्यायालय की स्थापना हेतु तुरंत कार्यवाही शुरू करते हुए कार्यदायी संस्था नामित कर आगणिक धनराशि उपलब्ध कराई जाए।2 लेन में 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग का होगा निर्माण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 24 कोसीय प्रमुख सचिव धर्मार्थ कार्य व लोक निर्माण विभाग को शीघ्र धनराशि अवमुक्त करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिक्रमा मार्ग दो लेन का बनाया जाये। जिलाधिकारी से मुख्यमंत्री ने कहा कि परिक्रमा मार्ग के प्रमुख धार्मिक व पौराणिक स्थलों के पास तीर्थ यात्रियों के पड़ाव की रूपरेखा तैयार की जाये। भूमि अधिग्रहण, सड़क निर्माण और सार्वजनिक सुविधाओं के विकास हेतु कार्य तेजी से पूरा करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया ।पृथ्वीराज चौहान व अहिल्याबाई की लगेगी प्रतिमा संभल मेंसम्राट पृथ्वीराज चौहान और महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमाएं लगाने का काम भी जल्द शुरु होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर पालिका संभल क्षेत्र में सम्राट पृथ्वीराज चौहान और महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमाएं स्थापित करने के लिए प्रमुख सचिव नगर विकास को शीघ्र अनुमति के निर्देश जारी किए। चंदौसी चौराहा पर सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा लगाने के लिए नगर पालिका व प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाकर चौराहे का चौड़ीकरण कार्य कराया जा रहा है। वहीं महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा लगाने के लिए मनोकामना तीर्थ के निकट स्थान चिन्हित किया गया है।तीर्थ विकास और पर्यटन के लिए 211 करोड़ का अनुपूरक बजट-मुख्यमंत्री ने संभल के 12 प्राचीन तीर्थ स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए विकास कार्य एवं जमीन खरीदने हेतु 12,94,05,840 की धनराशि जारी करने के निर्देश प्रमुख सचिव धर्मार्थ कार्य व लोक निर्माण को दिये। इसके साथ ही के प्राचीन तीर्थ, कूप, कल्कि संग्रहालय, पर्यटन सुविधाएं, लाइट एंड साउंड शो, परिक्रमा मार्ग सहित कई विकास कार्यों हेतु 211 करोड़ का अनुपूरक बजट आवंटित करने के साथ ही। अगले दो वर्षों के लिए 200 करोड़ के सीएंडडी बनाकर दो चरणों में करने के निर्देश जिलाधिकारी संभल को दिए। संभल को अंतरराष्ट्रीय तीर्थ पर्यटन के रूप में विकसित करने हेतु संभल कल्कि तीर्थ विकास परिषद के गठन की प्रक्रिया शुरू करने को भी मुख्यमंत्री ने कहा। 105 विकास परियोजनाओं का तुरंत बजट जारी करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने नगर विकास विभाग की वंदन योजना, वाणिज्यिक नगरोदय योजना, अंत्येष्टि स्थल विकास, जल निकासी योजना, झील/तालाब योजना और दीनदयाल नगर विकास योजना समेत कुल 105 परियोजनाओं के लिए तत्काल बजट निर्गत करने को निर्देशित किया। संभल,चंदौसी,बहजोई विकास प्राधिकरण का होगा गठन- मुख्यमंत्री ने संभल के विकास को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में संभल,चंदौसी व बहजोई नगर पालिकाओं के सीमा विस्तार के साथ ही संभल, चंदौसी और बहजोई विकास प्राधिकरण की स्थापना के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री ने तीनों नगर पालिकाओं के सीमा विस्तार और प्राधिकरण गठन की प्रक्रिया पर पंचायत चुनाव से पहले कार्रवाई के निर्देश दिए। महिष्मती नदी का होगा पुनरुद्धार-मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ विलुप्त हो चुकी महिष्मती नदी को लेकर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने महिष्मती नदी के पुनर्जीवन के लिए जल्द प्रस्ताव तैयार करने और भेजने के निर्देश दिए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सीएम योगी ने डीएम-एसएसपी को दिए निर्देश , बवाल का एक भी दोषी बचने न पाए

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल का एक भी दोषी बचने न पाए। कार्रवाई ऐसी हो जो नजीर बने और आगे कोई भी शहर का माहौल बिगाड़ने की जुर्रत न कर सके। यह निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य को दिया। लखनऊ के 5-कालीदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ से डीएम और एसएसपी ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री को डीएम ने राम दरबार और एसएसपी ने हनुमान की प्रतिमा भेंट की। मुख्यमंत्री ने एसएसपी से बरेली बवाल में अब तक पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी मुकदमों की चार्जशीट अदालत में जल्द दाखिल कर प्रभावी तरीके से पैरवी करे। कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन के स्तर पर कहीं भी लापरवाही न होने आए। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने डीएम से जिले की विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। काम गुणवत्तापूर्ण तरीके से ही हो और परियोजनाएं नियत समय पर पूरी हों।

ठण्ड एवं शीतलहर को देखते हुए निराश्रित व्यक्तियों के लिए रैन बसेरों की व्यवस्था जल्द से जल्द हो : अपर जिला अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली ।अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) संतोष कुमार सिंह ने ठण्ड एवं शीतलहरी के दृष्टिगत निराश्रित एवं कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों के लिए रैन बसेरों की व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियो को निर्देश दिये कि अत्यधिक ठण्ड एवं शीतलहरी असहाय एवं समाज के कमजोर वर्ग के असुरक्षित की जाये। उहोने निर्देश दिये है कि आश्रयहीन की जाये, कोई भी व्यक्ति रात में सड़क अथवा शेल्टर होम में रूकने वाले कमजोर वर्ग के लोगों जैसे-गद्दे, कम्बल, स्वच्छ पेयजल, शौचालय तथा इन रैन बसेरों के आस-पास अधिक ठंड

से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के कारण निराश्रित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने हेतु रैन बसेरों की व्यवस्था व्यक्तियों हेतु रैन बसेरों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित फुटपाथ पर सोने के लिए बाध्य न हो। इन रैन बसेरों, को ठण्ड से बचाने के लिये आवश्यक समस्त उपाय एवं किचन आदि का प्रबन्ध नि:शुल्क किया जाये पड़ने पर अलाव जलाने की व्यवस्था की जाये। प्रत्येक वरिष्ठता का नोडल अधिकारी नामित किया जाये, रैन बसेरों / शेल्टर होम के लिए एक उपयुक्त जिस पर रैन बसेरे / शेल्टर होम के लिये संचालन का उत्तरदायित्व होगा। इस हेतु नगर क्षेत्र में अपर नगर आयुक्त, नगर निगम एवं समस्त अपर नगर मजिस्ट्रेट जनपद बरेली तथा तहसील क्षेत्रों में समस्त उप जिलाधिकारी एवं समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद / नगर पंचायतें नामित किये जाते है। सभी रैन बसेरों में केयर टेकर भी तैनात किये जाये, जिसका नाम, पदनाम, मोवाइल नम्बर रैन बसेरों के गेट पर अवश्य दर्शाया जाये। रात्रि में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा रैन बसेरों का औचक निरीक्षण अवश्य किया जाये। रैन बसेरों के केयर टेकर के पास निरीक्षण रजिस्टर भी रखा जाये, जिसमें निरीक्षण अधिकारी अपनी टिप्पणी भी अंकित करें। समस्त चिकित्सालयों, मेडिकल कालेजों, बस स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों, श्रमिकों के कार्य स्थलों, एवं बाजारों में अनिवार्य रूप से रैन बसेरे संचालित किये जाये। इस हेतु स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण आदि विभाग अपेक्षित सहयोग करेंगे। रैन बसेरों में ऐसे जरूरतमन्द व्यक्तियों, जिनके पास ठहरने की सुविधा नही है तथा विशेष रूप से जो चिकित्सा एवं रोजगार आदि के लिए बाहर से आये है, उन्हे खुले में अथवा फुटपाथ एवं सड़कों के डिवाइडर पर न सोना पड़े, बल्कि निकटस्थ रैन बसेरा में रहने की पूर्ण सुविधा उपलब्ध कराई जाये। रैन बसेरा में समस्त सुविधाएं अच्छी व गुणवत्ता पूर्ण हो तथा इसमें साफ-सफाई, साफ सुथरे बेड शीट, कम्बल, गरम पानी तथा सुरक्षा आदि की व्यवस्था की जाये। वर्तमान में मच्छरों के कारण डेंगू के बढ़ते प्रकोप को दृष्टिगत रखते हुये निर्देशित किया जाता है कि रैन बसेरों का सेनिटाईजेशन एवं फागिंग प्रतिदिन अनिवार्य रूप से कराया जाये। रैन बसेरों में सोशल डिस्टेसिंग का अनिवार्य रूप से पालन किया जाये। रैन बसेरों में सोशल डिस्टेंसिंग के अनुपालन में कठिनाई को दृष्टिगत रखते हुये आवश्यकतानुसार रैन बसेरों की संख्या बढ़ायी जाये। इससे सम्बन्धित सूचनायें भी प्रचारित करायी जाये, ताकि शासन द्वारा जन-सामान्य को ठण्ड से बचाव हेतु किये जा रहे व्यापक उपायों की जानकारी आम जन को हो सके। शीतलहर के दौरान इसके बचाव हेतु रैन बसेरों के आस-पास एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर समय से पर्याप्त अलाव प्रतिदिन जलाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। शीतलहरी में असामाजिक तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। अत: रैनबसेरों की सुरक्षा व्यवस्था भी जल्द से जल्द सुनिश्चित कराया जाए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अवैध कॉलोनी पर बीडीए की बड़ी कार्रवाई , 10 बीघा क्षेत्र में चला बुलडोज़र

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने सोमवार को थाना सीबीगंज क्षेत्र में अवैध कॉलोनी पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। ग्राम जौहरपुर में नरेश यादव द्वारा करीब 10 बीघा क्षेत्रफल में बिना बीडीए की स्वीकृति के प्लॉटिंग, सड़क, नाली व बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा था। बिना मानचित्र स्वीकृति हो रहे इस अवैध विकास कार्य के खिलाफ बीडीए ने नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए ध्वस्तीकरण कराया। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता गजेन्द्र पाल शर्मा, अवर अभियंता सुरेन्द्र द्विवेदी, संदीप कुमार तथा प्रवर्तन टीम मौजूद रही। बीडीए ने जनसाधारण को चेताया है कि प्लॉटिंग या भवन निर्माण से पहले मानचित्र स्वीकृत कराना अनिवार्य है। बिना स्वीकृति निर्माण पूरी तरह अवैध है और ऐसे निर्माणों का ध्वस्तीकरण किया जा सकता है। भूखंड खरीदने से पहले खरीदारों को मानचित्र स्वीकृति की जानकारी अवश्य लेने की सलाह दी गई है, अन्यथा किसी भी कार्रवाई की जिम्मेदारी निर्माणकर्ताओं की होगी।

कूड़ा डालने के विवाद में जमकर चले लाठी-डंडे सात लोग घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । कैंट थाना क्षेत्र के मोहनपुर वार्ड नंबर एक में कूड़ा डालने को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। लाठी-डंडे चले और पथराव भी हुआ। घटना में सात लोग घायल हुए हैं। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मोहनपुर वार्ड नंबर एक निवासी सरताज हुसैन ने बताया कि सोमवार को सुबह उनकी मां सकीना बेगम उस स्थान पर कूड़ा डालने गई थीं, जहां मोहल्ले के लोग कूड़ा डालते हैं। उसी दौरान पड़ोसियों ने कूड़ा डालने का विरोध किया। सकीना बेगम के साथ गाली-गलौज कर धमकी दी। सकीना ने घर आकर परिजनों को पूरी बात बताई। परिवार के सात लोग घायल-टना के कुछ समय बाद सरताज हुसैन परिवार के सद्दाम हुसैन, मेराज हुसैन, वसीम हुसैन और रियाज हुसैन काम पर जा रहे थे। आरोप है कि तभी पड़ोसी व उसके साथियों ने लाठी-डंडे से उन पर हमला कर दिया। हमले में सरताज के परिवार के सात लोग घायल हो गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायलों को जिला अस्पताल भेजा। पीड़ित सरताज हुसैन ने पुलिस को तहरीर दी है। जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मारपीट का वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें लोग एक-दूसरे को लाठी-डंडे से पीटते नजर आ रहे हैं।

जिला अस्पताल में पर्चा काउंटर पर रोज होती है धक्का मुक्की

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिला अस्पताल में सोमवार को मरीजों की काफी भीड़ रही। देखा जाए तो पर्चा बनवाने के लिए मरीजों की लंबी कतार लगी रहती है । भीड़ में कई बार मरीजों में धक्कामुक्की की नौबत आ जाती है । सोमवार को हंगामा होने पर सिक्योरिटी गार्ड मौके पर पहुंचा और लोगों को जैसे तैसे समझा बुझाकर शांत कराया। ओपीडी में बुखार, जुकाम, सर्दी और खांसी के मरीजों की संख्या अधिक रही ओपीडी में चेस्ट फिजिशियन को दिखाने के लिए कतार लगी रही। मौसम में हो रहे बदलाव के चलते सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

यातायात पुलिस व एंटी क्राईम एंटी करप्शन मिशन भारत ट्रस्ट का सयुंक्त अभियान

एंटी करप्शन ब्यूरो के सहयोग यातायात माह में बांटे गए हेलमेट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । यातायात निदेशालय उत्तर प्रदेश एवं एंटी क्राइम एंटी करप्शन मिशन भारत ट्रस्ट के तथा पुलिस अधीक्षक बरेली श्रीमान् अकमल खान 17-11-2025 नवंबर को यातायात माह नवम्बर 2025 जागरूकता कार्यक्रम किया नियमों के प्रति लोगो को टी आई विपिन कुमार राघव हेलमेट की उपयोगिता सहित विस्तृत जानकारी प्रदान कर एंटी क्राइम एंटी करप्शन चैयरमेन कमलजीत सिंह ने पहनने से जो शारीरिक के सर में होने वाले आघात वाले मौतों के संबंध में सचेत गले से ऊपर लगने वाले भारी तट जा सकती है, लकवा मार सकता है। चार पहिया वाहन बेल्ट आवश्यक लगायें। जरुरतमंद लोगों को हेलमेट और दो पहिए, चार पहिया

संयुक्त तत्वावधान यातायात पुलिस के दिशा निर्देशन में मिनी बाई पास के अंतर्गत यातायात गया जिसमें यातायात जागरूक किया गया जी ने लोगों को यातायात नियमों की जागरूक किया । मिशन भारत ट्रस्ट के लोगों को हेलमेट ना नुकसान सहित व्यक्ति पहुंचने व उससे होने करते हुए कहा कि आघातों से याददाश्त सकता है, अपंग हो चलाते समय सीट और साथ ही भी वितरित किए गये वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाया गया कमलजीत सिंह जी ने संगठन का स्मृति चिन्ह देकर टी आई विपिन कुमार राघव जी का स्वागत किया और यातायात पुलिस बरेली के सहयोग के लिए का आभार व्यक्त किया । इस कार्यक्रम में टी आई विपिन कुमार राघव टी एस आई सत्यवीर सिंह, कांस्टेबल मुकेश , कमल जीत सिंह, सविता शर्मा, संजय शर्मा, राजीव सक्सेना, आरती, नीरू अरोड़ा, रति राम, ज्वाली राम, पूजा दुबे, अनिल सिंह, भगवान दास, रवि राठौर, कौशल वर्मा, संजीव अग्रवाल, इकबाल अंसारी, इरफान, आदि लोग उपस्थित रहे।

बरेली कॉलेज परिसर में फंदे से लटका मिला युवक का शव, आत्महत्या की आशंका

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कॉलेज परिसर में सोमवार सुबह एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव फंदे से लटका हुआ था। रविवार को कॉलेज में छुट्टी थी। सुबह कॉलेज खुलने पर लोग पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही बारादरी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। मृतक की पहचान बिहारी (32 साल) पुत्र कल्लूराम निवासी फाल्तूनगंज हाता कालीबाड़ी के रूप में हुई। उसके भतीजे अजय ने बताया कि उनके चाचा शराब पीने के आदी थे। रविवार रात में उन्होंने बहुत शराब पी थी। इसके वह घर से चले गए। वह रात में अक्सर घर से निकल जाते थे। इसलिए परिजनों ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। सोमवार को सुबह सूचना मिली कि बिहारी का शव बरेली कॉलेज में लटका है। जहां पर शव लटका मिला, वहां निर्माण कार्य चल रहा है। सुबह वहां पर मजदूर जेसीबी के साथ मिट्टी हटाने पहुंचे थे तो कॉलम पर शव लटका देख दंग रह गए। उन्होंने चीफ प्रॉक्टर को सूचना दी। बरेली कॉलेज के प्राचार्य ओपी राय ने बताया कि सुबह 10 बजे फोन पर सूचना मिली कि कॉलेज परिसर में किसी युवक का शव लटका है। उसके गले में बेल्ट बंधी थी। वहीं पुलिस आत्महत्या का मामला मानकर जांच कर रही है।

पति को रस्सी से बांधा... प्रेमी को बुलाकर काट डाला गला; अफेयर को लेकर दंपती में होता था अक्सर विवाद

गोरखपुर के उरुवा थाना इलाके एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति का गला रेत दिया। पति की हालत गंभीर है। पुलिस ने पत्नी और प्रेमी को हिरासत में ले लिया है।गोरखपुर के उरुवा थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार दोपहर दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई। पत्नी ने अपने प्रेमी संग मिलकर पति का गला धारदार हथियार से रेत दिया। गंभीर हालत में उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने हत्या की कोशिश की धारा में केस दर्ज कर लिया। आरोपी महिला व उसके प्रेमी अंकित चौरसिया को हिरासत में लिया गया है।जानकारी के अनुसार, घायल युवक की शादी तीन वर्ष पहले गगहा इलाके के एक गांव में हुई थी। परिजनों का आरोप है कि महिला का गोला बाजार इलाके के डीहवा निवासी अंकित चौरसिया से प्रेम संबंध है। इसी बात को लेकर दंपती के बीच अक्सर विवाद होता था। रविवार अपराह्न तीन बजे युवक के पिता गांव में कहीं गए थे। मां सत्संग में चली गई थीं। इसी दौरान महिला ने अपने प्रेमी को घर में बुला लिया। इसके बाद दोनों ने मिलकर पहले युवक को रस्सी से बांधा और फिर धारदार हथियार से उसके गले पर वार कर दिया। इस दौरान चीख-पुकार मचने पर पड़ोसी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तुरंत घायल युवक को उरुवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल और फिर बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। भागने की फिराक में थे आरोपी, एसपी साउथ भी मौके पर पहुंचे घटना की सूचना पर उरुवा थानाध्यक्ष श्यामदेव चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसी दौरान भागने की फिराक में लगी महिला और उसके प्रेमी अंकित को पुलिस ने दबोच लिया। पीड़ित युवक की मां की ओर से दी गई तहरीर पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ हत्या की कोशिश का केस दर्ज कर लिया है। एसपी साउथ दिनेश पुरी और सीओ गोला दरवेश कुमार भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। गांव में इस घटना के बाद दहशत और आक्रोश का माहौल है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

बरेली में वायुसेना के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, तकनीकी खराबी के कारण खेत में उतारा

बरेली के गांव गोरा लोकनाथपुर के पास खेत में सोमवार दोपहर करीब 3:40 बजे वायुसेना के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई, जिससे इलाके में खलबली मच गई। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी के मुताबिक तकनीकी खराबी के कारण हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग की गई। सभी जवान सुरक्षित हैं।बरेली के सोमवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी के दौरान अचानक तकनीकी खराबी आ किसान नन्हे शर्मा के खेत में हेलीकॉप्टर सूझबूझ और समझदारी के चलते खेत में उतर गया।इमरजेंसी लैंडिंग की हेलीकॉप्टर भेजा। वायुसेना के अधिकारी

मीरगंज क्षेत्र के गांव गोरा लोकनाथपुर में मच गई, जब वायुसेना के हेलीकॉप्टर में उड़ान गई। पायलट ने तुरंत स्थिति को संभालते हुए की इमरजेंसी लैंडिंग कर दी। पायलट की हेलीकॉप्टर बिना किसी नुकसान के सुरक्षित सूचना मिलते ही वायुसेना ने मौके पर दूसरा मौके पर पहुंचे और हेलीकॉप्टर की प्राथमिक जांच की। तकनीकी खराबी वाला हेलीकॉप्टर शाम छह बजे तक खेत में ही मौजूद था। जबकि उसमें सवार जवानों व अधिकारियों को दूसरा हेलीकॉप्टर अपने साथ एयरबेस के लिए ले गया। तकनीकी टीम आगे की जांच में लगी हुई है।रक्षा जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप के मुताबिक भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर (रु॥) ने नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान तकनीकी खराबी के कारण बरेली के पास सुरक्षित और एहतियाती लैंडिंग की। वायुसैनिकों द्वारा त्वरित आपातकालीन लैंडिंग करते हुए हेलीकॉप्टर सुरक्षित रूप से उतर गया। ज़मीन पर किसी प्रकार की क्षति या चोट की सूचना नहीं है। एयरबेस से बचाव दल को रवाना कर दिया गया है। पुलिस ने बनाया सुरक्षा घेरा - हेलीकॉप्टर के अचानक खेत में उतरने की सूचना पाते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। देखते ही देखते ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीओ मीरगंज अजय कुमार एवं प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर और उप जिलाधिकारी आलोक कुमार सिंह तत्काल पहुंच गए। पुलिस ने हेलीकॉप्टर के चारों ओर बैरिकेडिंग लगाकर सुरक्षा घेरा बना दिया और किसी भी व्यक्ति को घेर के अंदर नहीं जाने दिया। सीओ मीरगंज अजय कुमार एवं एसडीएम आलोक कुमार सिंह ने बताया कि हेलीकॉप्टर की लैंडिंग पूरी तरह सुरक्षित रही है। तकनीकी टीम खराबी की विस्तृत जांच में लगी हुई है। प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इमरजेंसी लैंडिंग की यह घटना ग्रामीणों के बीच चर्चा का केंद्र बनी रही। लोग पायलट की सूझबूझ और वायुसेना की त्वरित कार्रवाई की सराहना कर रहे हैं।

बस-टैंकर की भीषण टक्कर, उमराह के लिए गए 45 भारतीयों की मौत; पीएम मोदी ने जताया दुख

एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से हादसे में मारे गए लोगों के शवों को वापस भारत लाने में मदद की अपील की है। सऊदी अरब में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई है। मरने वालों में अधिकतर हैदराबाद के निवासी थे। यह हादसा उस समय हुआ, जब उमराह के लिए गए लोगों को लेकर जा रही बस एक तेल के टैंकर से टकरा गई। सऊदी अरब के मीडिया की वाले भारतीय उमराह यात्री हैं। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त ने के अनुसार, उमराह गए लोगों को लेकर बस मक्का से मदीना समय अनुसार, सुबह करीब 1.30 बजे मुहरास या मुफरिआत थे। टक्कर लगते ही बस आग की लपटों में घिर गई और लोगों की पहचान करना भी मुश्किल है। हादसे में 45 लोगों की पुलिस आयुक्त ने की 45 मौतों की पुष्टि- हैदराबाद पुलिस मौत हुई है और मरने वालों में अधिकतर हैदराबाद के निवासी बताया कि %बीती 9 नवंबर को हैदराबाद से 54 लोग उमराह इन 54 में से चार लोग एक कार से मक्का से मदीना जा रहे थे शिकार हुई बस में सफर कर रहे थे। हादसे के समय बस में 46 अस्पताल में इलाज चल रहा है।% पुलिस आयुक्त ने कहा कि लोग 23 नवंबर को हैदराबाद लौटने वाले थे। एआईएमआईएम रही है, उसके तहत हादसे में 40 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसा मदीना के नजदीक हुआ और हादसे में मरने इसकी पुष्टि की है।डीजल टैंकर से टकराई बस- गल्फ न्यूज की रिपोर्ट्स जा रही थी, जब वह रास्ते में डीजल टैंकर से टकरा गई। हादसा स्थानीय इलाके में हुआ, जो मदीना के करीब है। हादसे के समय कई यात्री सो रहे को बचने का भी समय नहीं मिला। हादसा इतना भयानक था कि मृतकों मौत हुई है। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हैदराबाद आयुक्त ने बताया है कि सऊदी अरब में हुए बस हादसे में 45 लोगों की हैं। मीडिया से बात करते हुए हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने के लिए जेद्दाह गए थे और इन लोगों को 23 नवंबर को वापस आना था। और चार अन्य लोग मक्का में ही रुक गए थे। बाकी लोग हादसे का लोग सवार थे। हादसे में सिर्फ एक व्यक्ति जीवित बचा है, जिसका हमें जो सूचना मिली है, उसके मुताबिक 45 लोग मारे गए हैं और ये विधायक माजिद हुसैन ने भी बताया कि हमें जो शुरुआती रिपोर्ट मिल हम पीड़ित परिवारों से संपर्क कर रहे हैं। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से हादसे में मारे गए लोगों के शवों को वापस भारत लाने में मदद की अपील की है। प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर जताया दुख- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सऊदी अरब हादसे पर दुख जताया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि %मदीना में भारतीय नागरिकों के साथ हुए हादसे से बेहद दुखी हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं हादसे में घायल लोगों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। रियाद स्थित हमारा दूतावास और जेद्दाह का महावाणिज्य दूतावास हरसंभव मदद मुहैया करा रहे हैं। हमारे अधिकारी भी सऊदी अरब सरकार के अधिकारियों के संपर्क में हैं।%तेलंगाना सरकार ने जारी किया बयान- तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी एक बयान में सऊदी अरब में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया गया है और कहा कि सीएम ने तुरंत मुख्य सचिव और डीजीपी को हादसे से जुड़ी पूरी जानकारी जुटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ये भी जानकारी मांगी है कि हादसे में कथित तौर पर मरने वाले कितने लोग हैदराबाद के निवासी थे। मुख्यमंत्री ने सरकार के शीर्ष अधिकारियों को विदेश मंत्रालय से संपर्क करने और सऊदी अरब दूतावास से जानकारी लेने का सुझाव दिया है। मुख्य सचिव के निर्देश पर अधिकारी इस बात का पता लगा रहे हैं कि सऊदी अरब में हादसे का शिकार हुए कितने लोग तेलंगाना के थे और सचिवालय में एक कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि पीड़ित परिजनों को जानकारी दी जा सके। महावाणिज्य दूतावास ने जारी किया टोल फ्री नंबर- जेद्दाह स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि सऊदी अरब के मदीना में हुए दर्दनाक हादसे में पीड़ित भारतीय उमराह यात्रियों के लिए 24×7 चलने वाला एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिसका टोल फ्री नंबर है- 8002440003। ओवैसी बोले- ट्रैवल एजेंसियों और दूतावास से मांगी जानकारी हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी सऊदी अरब में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया। ओवैसी ने कहा कि उन्होंने हैदराबाद की दो ट्रैवल एजेंसियों से संपर्क किया है और उनसे सऊदी अरब गए हैदराबाद के लोगों की जानकारी मांगी है। साथ ही रियाद दूतावास से भी संपर्क किया है। ओवैसी ने कहा कि उन्होंने रियाद में स्थित भारतीय दूतावास के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन अबु मैथ्यू जॉर्ज से भी बातचीत की है, जिन्होंने बताया कि वे हादसे से जुड़ी जानकारी जुटा रहे हैं और जल्द ही उन्हें इस बारे में अपडेट करेंगे।% विदेश मंत्री एस जयशंकर ने किया ट्वीट- भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मदीना में हुए सड़क हादसे पर दुख जताया और सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हमारा रियाद स्थित दूतावास और जेद्दाह में मौजूद महावाणिज्य दूतावास हादसे से प्रभावित लोगों की मदद कर रहा है। विदेश मंत्री ने हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सऊदी अरब हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम दूतावास अधिकारियों के संपर्क में हैं और पीड़ितों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है और हरसंभव मदद की कोशिश की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने हेल्पलाइन नंबर भी बताए, जहां से पीड़ितों के बारे में जानकारी ली जा सकती है। ये नंबर हैं- 8002440003 (टोल फ्री), 0122614093, 0126614276, 0556122301 (वाट्सएप नंबर)

विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर ओड़गी-बिहारपुर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

पूर्व संसदीय सचिव व विधायक पारसनाथ राजवाड़े रहे मुख्य अतिथि

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर/भटगांव। जिला सूरजपुर अंतर्गत भटगांव विधानसभा क्षेत्र के ओड़गी-बिहारपुर विशेष मतदाता (स्ढ्ढक्र) के संबंध दिवसीय प्रशिक्षण आयोजन किया में भटगांव पूर्व संसदीय विधायक राजवाड़े मुख्य

ब्लॉक में सूची पुनरीक्षण में एक शिविर का गया। कार्यक्रम विधानसभा के सचिव एवं पारसनाथ अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण कदम है, इसलिए सभी पदाधिकारी इसे गंभीरता से लें और क्षेत्र में अधिक से अधिक पात्र लोगों को जोड़ने में सहयोग करें। शिविर में क्चरुस्ट से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर लवकेश गुर्जर ने कांग्रेस पार्टी के क्चरु एवं पदाधिकारियों को विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) की प्रक्रिया, नए मतदाताओं के पंजीयन, नाम हटाने-जोड़ने, दुरुस्ती करने, आवश्यक दस्तावेजों और पात्रता-अपात्रता के आधारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए हर कार्यकर्ता की सक्रिय भूमिका जरूरी है। प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। इनमें मुख्य रूप से- पूर्व जनपद उपाध्यक्ष शिवबालक यादव, मंदेश गुर्जर, सचेंद्र पाठक, रामकाया वैश्य, बेचुराम वैश्य, शोभन सिंह, रनसाय, कमलेश यादव, जितेंद्र साकेत, हजारीलाल गुप्ता, रमेश गुप्ता, तुलसी जायसवाल, धर्मदास वैश्य, सदानंद यादव, प्रेमालाल जायसवाल, शिशुपाल जायसवाल, प्रताप सिंह, बलराम एक्का सहित कांग्रेस पार्टी के क्चरु, पदाधिकारी एवं कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभा के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जोड़ना और सूची को अधिक पारदर्शी व शुद्ध बनाना है। इस अभियान में सभी की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

घर में महिला ने अपनी बेटियों के साथ आग लगाई, आग लगने से तीनों की मृत्यु

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दाढ़ी में उस समय एक दर्दनाक घटना देखने को मिली है एक महिला ने अपने घर में आग लगाकर अपनी और अपनी बेटियों को आत्म हत्या कर ली है इस घटना से गांव में कोहराम मच गया मिली जान कारी में घनश्याम अहिरवार अपने परिवार के साथ गांव में रहते है उनके तीन लड़के है जिनमें देवेंद्र कुमार पवन कुमार और जितेंद्र कुमार है बड़े लड़के की शादी हो चुकी है और दो लड़के जिनमें पवन की भी शादी हो चुकी है और अब जितेंद्र की आज शादी थी और मंडप को लेकर तैयारी चल रही थी दो भाई पवन कुमार और जितेंद्र कुमार उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत है आज घर में शादी को लेकर खुशनुमा माहौल था घर के लोग शादी में सब्जी लेने के लिये गए थे तभी सुबह के समय देवेंद्र की पत्नी आरती ने अपने कमरे में जाकर अपनी बेटी पीहु उम्र छह साल और छोटी बेटी सृष्टि ढाई साल के साथ लेकर अपने शरीर में डीजल झिड़क कर आग लगाली जब लोगो ने आग लगाने की कमरे में जाकर देखा तो सभी तीनों लोग आग से काफी जल चुके थे आनन फानन में गांव के लोगों ने एम्बुलेंस बुलाकर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन अस्पताल में आकर दोनों को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया और छोटी लड़की श्रृष्टि को झांसी के लिए रिफर कर दिया झांसी के पूर्व ही उसकी मौत हो गई इस तीन लोगों की एक साथ हुई दर्दनाक मौत को लेकर गांव में मातम पसर गया बताया गया है कि मृतिका आरती के देवर जो सब इंस्पेक्टर है उनकी आज शादी है और मंडप है और खाना भी था और उसी को लेकर तैयारी की जा रही थी कि यह सुबह के समय यह घटना घट गई ओर खुशियां मातम में पसर गई इस घटना को लेकर गांव में भी भारी शोक देखा गया है बताया गया है कि यह घटना ग्रह कलह के चलते होना बताई गई है इस घटना को लेकर प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र सिंह सीओ परमेश्वर प्रसाद कोतवाल अजीत सिंह सुरई चौकी के प्रभारी सत्यपाल सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम के लिये भेज दिया है

संक्षिप्त समाचार

सुरई चौकी प्रभारी सत्यपाल सिंह ने तमंचा कारतूस के साथ पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) आज कोतवाली की सुरई चौकी के प्रभारी सत्यपाल सिंह हमराही सिपाही अनिल कुमार गस्त पर थे तभी महेशपुरा रोड पर स्थित

मेवालाल जूनियर हाई स्कूल के पास एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा पुलिस को उस पर शक हुआ ओर पुलिस ने उस व्यक्ति को दौड़ते हुये पकड़ लिया और जब नाम पता पूंछा तो उसने अपना नाम शीलू उर्फ चंदशेखर पुत्र मुन्ना लाल निवासी काशीराम कालोनी कोंच बताया है ओर उसके कब्जे से एक 315 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए है पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में दर्ज कर उसका चालान कर दिया है

आग लगने के कारणों की जांच की जावेगी सीओ

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच के पुलिस क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया है कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दाढ़ी में एक महिला दो बेटियों के आग लगाने की सूचना प्राप्त हुई थी जिनमें एक महिला एक बेटी की अस्पताल में मृत्यु हो गई और एक बेटी जो झांसी इलाज के लिये गई थी उसकी भी मौत हो गई इस आग लगने के कारणों की जांच की जायेगी और घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच होगी साथ ही घटना की गहनता की जांच की जायेगी

शिवपुरी में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा का हुआ भव्य स्वागत, नगर में उमड़ा उत्साह

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी, ब्यूरो। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी आदरणीय सुरेंद्र शर्मा के प्रथम शिवपुरी आगमन पर नगर में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। शहर की विभिन्न

सामाजिक संस्थाओं, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने जगह-जगह उनका भव्य स्वागत कर पूरे शहर को स्वागतमय वातावरण से भर दिया। 23 अक्टूबर को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल द्वारा जारी सूची में सुरेंद्र शर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया था। यह नियुक्ति भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की सहमति से की गई, जिसे तत्काल प्रभाव से लागू किया गया। पार्टी ने इस फैसले को संगठनात्मक मजबूती की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया है। इसके अतिरिक्त 14 नवंबर को भाजपा मध्यप्रदेश द्वारा जारी आदेश में उन्हें निमाड़ी संभाग प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा 13 नए संभाग प्रभारियों की नियुक्ति की गई थी, जिनमें शिवपुरी से प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा को विशेष रूप से निमाड़ी संभाग की जम्मिेदारी दी गई। नई जिम्मेदारियों के साथ उनके प्रथम शिवपुरी आगमन पर नगरवासियों ने पुष्प वर्षा, स्वागत समारोह और शुभकामनाओं के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने इसे शिवपुरी के लिए गौरव का क्षण बताया और कहा कि प्रदेश नेतृत्व में उनकी भूमिका संगठन को नई दिशा देगी।

नगर निगम ने रोका भुगतान, ठेकेदार ने छोड़ा नाले का काम, ट्रांसफार्मर भी बना बाधा

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। वार्ड 40 सतीपुर में आरसीसी नाला निर्माण अधूरा छोड़ने पर नगर निगम द्वारा एफडीआर जब्त करने और ठेकेदार की फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की संस्तुति भेजे जाने के बाद मामला गर्मा गया है। विभाग की कार्रवाई के बाद अब ठेकेदार अनवार हुसैन खुलकर सामने आ गए हैं। ठेकेदार अनवार हुसैन ने पलटवार करते भुगतान न करने और नाले के ऊपर लगे भारी ट्रांसफार्मर की वजह से रोका गया लगाए हैं। ठेकेदार ने कहा कि बिना बकाया चुकाए कैसे काम पूरा कर दूँ? विभाग भुगतान रोके बैठा है। उन्होंने कहा बकाया बिलों का भुगतान करें, मैं तुरंत नाला अनवार हुसैन ने नाले के अधूरे हिस्से को लेकर कहा कि ट्रांसफार्मर नाले की आश्वासन मांगा है कि दुर्घटना की स्थिति में उनकी जिम्मेदारी तय न की जाए। दावा किया कि सतीपुर से पीलीभीत बाईपास चौराहे तक नाले का अधिकांश रायल्टी न जमा करने का आरोप गलत है। वहीं साइट का सैंपल अवर अभियंता नहीं गए। तीन-तीन साल पुराने बिल लंबित, मानसिक उत्पीड़न झेल रहा हूँ अपने था, लेकिन विभाग ने 2022 से लेकर अब तक कई कार्यों के बिल लंबित रखे हैं। रोड जैसे अनेक कार्य पूरे कर दिए गए, पर बिलों का निस्तारण आज तक नहीं उत्पीड़न है। 2022 में पूरे किए सफाई कार्य, 2025 तक भुगतान नहीं- ठेकेदार ने से पूरे किए गए थे। परफार्मेंस गारंटी और जमानत राशि वापस होने के बावजूद समझ से परे है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि हजियापुर वार्ड 15 में शौचालय सीसी रोड व नाली इन सभी कार्यों के फोटो, रायल्टी और अन्य अभिलेख

हुए दावा किया है कि नाले का काम उन्होंने लापरवाही से नहीं, बल्कि विभाग द्वारा वर्षों से है। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों पर वर्षों से भुगतान रोककर उत्पीड़न करने के गंभीर आरोप खुद जिम्मेदारी से बच रहा है। ठेकेदार ने कहा कि वह काम रोकना नहीं चाहते, लेकिन विभाग निर्माण पूरा कर दूँगा। ट्रांसफार्मर का ढाँचा नाले पर झुका, खुदाई शुरू होते ही गिर सकता है दीवार से सटा हुआ है और खुदाई शुरू होते ही गिरने का खतरा है। उन्होंने विभाग से लिखित नाला निर्माण का बड़ा हिस्सा पूरा, फिर भी टेस्टिंग-रायल्टी के नाम पर रोक अनवार हुसैन ने निर्माण पूरा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि माप पुस्तिका में माप दर्ज है, टेस्टिंग रिपोर्ट और खुद ले गए थे। ठेकेदार का यह भी कहना है कि टेस्टिंग से जुड़े दस्तावेज उनसे कभी मांगे ही विस्तृत प्रार्थना पत्र में ठेकेदार ने लिखा कि अनुबंध की शर्तों के अनुसार मासिक भुगतान होना ठेकेदार का कहना है कि नाला निर्माण कार्य सहित नाला सफाई, शौचालय निर्माण और सीसी हुआ। उन्होंने कहा भुगतान नहीं कर रहे, उल्टा ब्लैकलिस्ट करने की धमकी दे रहे हैं। यह साफ बताया कि जोन 03 व 04 तथा वार्ड 53 व 79 में नाला सफाई के कार्य मई 2022 में अंतिम रूप अंतिम भुगतान आज तक नहीं हुआ। उन्होंने कहा तीन साल पुराने कार्यों का भुगतान रोकना निर्माण, मोहल्ला सिकलापुर में दशवां स्थल निर्माण, शिव मंदिर से नरेश वाल्मीकि मकान तक उपलब्ध कराने के बावजूद भुगतान रुका हुआ है। विभाग बनाम ठेकेदार- मामला उलझा, विवाद और गहराया- नगर निगम ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगा रहा है, जबकि ठेकेदार विभाग पर बकाया रोकने और ब्लैकलिस्ट करने की धमकी देकर दबाव बनाने का आरोप जड़ रहे हैं। अब मामला आरोप-प्रत्यारोप में बदल चुका है और दोनों पक्षों की तरफ से अपनी-अपनी दलीलें सामने आ रही हैं। आगे इस विवाद में क्या कदम उठाए जाएंगे, अब सबकी नजरें निगम प्रशासन पर टिकी हैं। नगर आयुक्त का बयान- नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने ठेकेदार के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि काम रोकने का ट्रांसफार्मर से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब ठेकेदार अपना कार्य पूरा कर देगा, तो भुगतान भी समय से कर दिया जाएगा।

अनुसूचित जाति में भी लागू होना चाहिए क्रीमी लेयर, आरक्षण पर सीजेआई बीआर गवई का बड़ा बयान

आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में आयोजित एक कार्यक्रम बोलते हुए सीजआई बीआर गवई ने कहा कि एससी को मिलने वाले आरक्षण में %क्रीमी लेयर% यानी आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके वर्ग को बाहर किया जाना चाहिए। इस न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व- पर टिका है, के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा अनुसूचित जातियों (एससी) को मिलने वाले आरक्षण से आगे बढ़ चुके वर्ग को बाहर किया जाना चाहिए। कॉन्स्टिट्यूशन ऐट 75 इयर्स% में बोलते हुए उन्होंने गरीब किसान मजदूर के बच्चों को एक ही स्तर पर का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी है सिर्फ एक हफ्ता%- सीजेआई गवई ने बताया कि मामले के आधार पर यही राय दी थी कि जैसे जाती है, वैसे ही यह व्यवस्था एससी समुदाय के काफी आलोचना हुई हो। उन्होंने मुस्कराकर कहा कि बचाव नहीं करना चाहिएज और मेरे पास सेवानिवृत्ति और समानता पर बदलता भारत- सीजेआई ने कहा और समानता को लेकर जागरूकता बढ़ी है, और

दौरान उन्होंने कहा कि संविधान चार स्तंभों- और यही मूल्य देश की दिशा तय करते हैं।भारत कि वे अब भी इस विचार के पक्ष में हैं कि में %क्रीमी लेयर% यानी आर्थिक-सामाजिक रूप एक कार्यक्रम %इंडिया एंड द लिविंग इंडियन कहा कि एक आईएएस अफसर के बच्चे और नहीं रखा जा सकता। उनका कहना था कि आरक्षण सबसे ज्यादा जरूरत है।%मेरी सेवानिवृत्ति में बचा उन्होंने अतीत में भी इंद्रा साहनी (मंडल आयोग) ओबीसी समुदाय में क्रीमी लेयर की पहचान की लिए भी होनी चाहिए, भले ही इस विचार की %न्यायाधीशों को आम तौर पर अपने फैसलों का तक सिर्फ एक हफ्ता ही बचा है।% महिलाओं कि देश में वर्षों के दौरान महिलाओं के अधिकारों भेदभाव की पुरानी सोच को पीछे छोड़ा जा रहा है। उन्होंने भावुक होकर याद किया कि उनके कार्यकाल का पहला कार्यक्रम महाराष्ट्र के अपने गृह नगर अमरावती में था और आख़िरी कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के अमरावती में, मानो उनकी यात्रा एक पूरा चक्र पूरा कर रही हो। संविधान- बदलता, सांस लेता दस्तावेज- सीजेआई गवई ने कहा कि भारतीय संविधान स्थिर नहीं है, बल्कि एक %जीवंत, विकसित होने वाला% दस्तावेज है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की सोच पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान में संशोधन की प्रक्रिया इसीलिए रखी गई ताकि समय के साथ जरूरतें बदलने पर देश आगे बढ़ सके। उन्होंने बताया कि आंबेडकर के भाषण, विशेषकर जब वे मसौदा संविधान प्रस्तुत कर रहे थे, हर कानून के विद्यार्थी को पढ़ने चाहिए। आंबेडकर के तीन शब्द- समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व- को उन्होंने भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की रीढ़ बताया। %संविधान ने बदली लाखों की जिंदगी - मेरा भी सफर इसका उदाहरण% मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान की वजह से ही आज भारत में दो राष्ट्रपति अनुसूचित जाति से हुए हैं और वर्तमान राष्ट्रपति एक अनुसूचित जनजाति की महिला हैं। अपनी यात्रा याद करते हुए उन्होंने कहा, %अर्ध-झुग्गी जैसे इलाके और नगरपालिका स्कूल में पढ़ने वाला एक बच्चा भी जब देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी तक पहुंच सकता है, तो यह संविधान की ही ताकत है।%

बिहार चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान- कांग्रेस अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र और हम भी

शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपनी पार्टी और कांग्रेस के रिश्तों पर बातचीत करते हुए कहा है कि कांग्रेस और उनकी पार्टी अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र है। इस दौरान उन्होंने बिहार चुनावों के नतीजों पर भी सवाल खड़े किए और चुनाव आयोग चुनावों से पहले राजनीति का माहौल गर्म है। इसी बीच कांग्रेस चाहे जिस तरह चुनाव लड़े, फैसला उनका है और दिन पहले संकेत दिया था कि वह बीएमसी चुनाव स्वतंत्र अघाड़ी (एमवीए) के अंदर एमएनएस को साथ लेने पर गठबंधन में शामिल करने पर ऐतराज जताया है, जबकि गणित पर सवाल- वहीं उद्धव ठाकरे ने बिहार चुनावों के सभाओं में लाखों लोग जुटते हैं, लेकिन उम्मीदवार हार तेजस्वी यादव की भारी भीड़ के बावजूद मिली हार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाई गई %दिखावटी

पर निशाना साधा है।मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को साफ कहा कि ठीक उसी तरह उनकी पार्टी भी अपने फैसले खुद लेगी। कांग्रेस ने एक रूप से लड़ने की तैयारी में है। यह बयान तब आया है जब महा विकास मतभेद उभर रहे हैं। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने राज ठाकरे की पार्टी को हाल के दिनों में उद्धव और राज ठाकरे की नजदीकियां चर्चा में हैं।चुनावी नतीजों पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, %समझ में नहीं आता कि जाते हैं। यह कौन-सी नई लोकतंत्र की गणित है?% उन्होंने राजद नेता भी निशाना साधा और पूछा कि यह समर्थन असली था या फिर कहीं भीड़%? चुनाव आयोग पर भी कड़ा वार- उद्धव यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार मतदाता सूची में अनियमितताओं की शिकायत कर रहा है, मार्च निकाल रहा है, लेकिन चुनाव आयोग इन मुद्दों पर बात करने को तैयार ही नहीं दिखता। %हम चुनावों का विरोध नहीं करते, चुनाव राजनीति की जान हैं। लेकिन क्या इसे लोकतंत्र कहा जाए अगर प्रक्रिया पारदर्शी ही न हो?% उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा देश में क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म करने की कोशिश कर रही है, और ऐसी राजनीति ज्यादा समय नहीं टिक पाएगी। कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के रिश्तों पर अंतिम बात- इस दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा, %कांग्रेस स्वतंत्र पार्टी है, अपने निर्णय लेने के लिए आजाद है। और मेरी पार्टी भी बिल्कुल स्वतंत्र है।% उनके इस बयान से साफ है कि बीएमसी चुनावों को लेकर एमवीए के अंदर की खिचड़ी पूरी तरह पक चुकी है, और आगे की राजनीति में नए समीकरण भी बन सकते हैं।

सर्दियों में देसी सागों की धूम: स्थानीय बाजारों में उमड़ी रौनक, ग्रामीण महिलाओं की मेहनत बनी परिवार का सहारा

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। ठंड का मौसम आते ही जिले के स्थानीय बाजारों में देसी सागों की भरमार देखने को मिल रही है। सुबह-सुबह बाजारों में ताज़ी खुशबू बिखेरते ये साग न सिर्फ स्वाद का अहसास कराते हैं, बल्कि इनमें छिपी मेहनत और रोज़गार की कहानी भी लोगों का ध्यान खींच रही है। तस्वीरों में दिखाई दे रही बुजुर्ग महिला की तरह कई ग्रामीण महिलाएं रोज़ सुबह खेतों और जंगलों के किनारों से ताज़ा साग तोड़कर बाजार पहुंचती हैं। यह साग पूरे

सर्दी भर लोगों की थाली को स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाते हैं। इस समय बाजार में चने का साग, बथुआ, मेंथी, सरसों, लाल साग, कुलफा, और अन्य देसी पत्तेदार सागों की खूब बिक्री हो रही है। इनके साथ ही फूलगोभी, पत्ता गोभी, गाजर, लौकी, सेम जैसी सब्जियाँ भी लोगों की पसंद बनी हुई हैं। स्थानीय ग्राहकों का कहना है कि सर्दी के मौसम में इन पारंपरिक सागों का स्वाद मकई की रोटी के साथ और भी लाजवाब हो जाता है। ग्रामीण इलाकों में यह संयोजन वर्षों से लोगों की थाली की पहचान रहा है। मकई की रोटी, देशी घी और मौसमी साग-सर्दी का यह देसी स्वाद आज भी लोगों को अपने गांव की याद दिलाता है। ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि सर्दी में मिलने वाला हरा साग उनकी आय का बड़ा साधन है। बाजार में बढ़ती मांग से उन्हें अच्छी आमदनी भी हो जाती है, जिससे घर-परिवार की जरूरतें पूरी होती हैं। सर्दियों की शुरुआत के साथ ही बाजार में इन देसी सागों ने नई जान डाल दी है। ताज़ा हरी सब्ज़ियों की महक और लोगों की बढ़ती भीड़ यह बताती है कि अभी पूरे मौसम भर इन सागों की धूम बनी रहेगी।

ग्राम रबा में यज्ञ की बरसी पर होंगे भव्य कार्यक्रम

भागवत कथा और रात में रामलीला होगी- आर पी निरंजन

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन) ग्राम रबा में वर्ष 2024 में विशाल यज्ञ हुआ था जिस के एक बर्ष बाद बरसी मनायी जा रही है,जिसमें श्री मदभागवत कथा होगी जिसे प्रियंका शास्त्री अपने मुखार बिन्द से भक्तों को आनन्दित करेंगी एवं रात्रि में बुन्देल खण्ड स्तरीय कला कारों के द्वारा राम लीला का मंचन होगा यह समस्त कार्यक्रम 26 नवम्बर से प्रारम्भ होकर एक सप्ताह तक चलेंगे और समस्त तैयारियों को आरपी निरंजन ने रामशंकर छानी एवं गाँव के गणमान्य नागरिकों के साथ जांचा परखा तथा अपनी टीम को निर्देशित भी किया कि सभी और भी शेष कार्यों को पूरा कर लें इस अवसर पर सतेन्द्र गुर्जर दिक्कू अजय निरंजन मनोज झां राजेश बापू ज्ञान सिंह कुशवाहा मुलायम सिंह प्रधान सुरेन्द्र पटेलनारायण सिंह आचार्य कमलेश महाराज सुरेश निरंजन लालजी पटेल राजेन्द्र मास्टर भंवर सिंह निरंजन अभय निरंजन हमीर सिंह परिहार श्यामाचरण झां पप्पू पटेल महेश पटेल शिवपाल सोहन अर्जुन लालसिंह विवेक गुर्जर हरि सिंह चन्दन रजक रोसन रामराजा निरंजन आदि दर्जनों लोग उपस्थित रहे समस्त कार्य क्रमों का संचालन समाज सेवी एम एसडी डिग्री कालेज मिर्चवारा के प्रबन्धक रामशंकर छानी करेंगे

♦ समस्त कार्यक्रमों का संचालन करेंगे रामशंकर छानी

संक्षिप्त समाचार

बाइक कंबाइन मशीन की टक्कर में बाइक सवार की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के थाना सोनवा क्षेत्र के भिनगा बहराइच मार्ग पर मोहरनिया गांव के समीप भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। थाना सोनवा क्षेत्र के मोहनिया गांव के पास जनपद बहराइच थाना दरगाह क्षेत्र अंतर्गत अशरफ गांव निवासी रवि प्रकाश त्रिवेदी किसी कार्य के लिए बाइक से रत्नापुर की तरफ जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार कंबाइन मशीन से जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दौरान रवि प्रकाश त्रिवेदी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर थाना सोनवा की पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा में भर्ती किया जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मौत की खबर पाते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस ने कंबाइन मशीन को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अधेड़ व्यक्ति की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्र के मिर्जापुर चौराहे पर उस समय हड़कंप मच गया जब एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था मे दिखाई दिया। जानकारी के अनुसार थाना हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्र के मिर्जापुर चौराहे पर स्थानीय व्यापारियों मे उस समय हड़कंप मच गया। जब मिर्जापुर चौराहे से महदेवा वाली सड़क पर मस्जिद के पास एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था मे पड़ा दिखाई दिया। तुरंत ही इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना पर दलबल के साथ पहुँचे थाना प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय ने उक्त व्यक्ति को देखा तो उसकी साँसे चल रही थी। जिसकी पहचान पड़ोसी जनपद बहराइच के थाना मटेरा क्षेत्र के मटेरा गाँव निवासी 50 वर्षीय सलीम पुत्र ननकऊ के रूप मे हुयी सूचना पाते ही मौके पर पहुँचे परिजनों ने आनन फानन मे इलाज के लिए नजदीकी प्राइवेट अस्पताल ले गए जहां पर अधेड़ व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। जिसको परिजन अपने साथ घर लेकर चले गए। वह किसी कार्य से मिर्जापुर चौराहा गए थे जहां पर उनकी हालत बिगड़ी और मौत हो गयी है।

राजस्व एवं पुलिस की टीम मौके पर जाकर करें भूमि विवादों का निस्तारण : डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। डीएम अजय कुमार द्विवेदी एवं एसपी राहुल भाटी की अध्यक्षता में थाना हरदत्त नगर गिरंट में समाधान दिवस/थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान फरियादियों के समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। डीएम ने कहा कि समाधान दिवस/थाना दिवस में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण की कार्यवाही करें तथा फरियादियों के साथ नम्र व्यवहार भी किया जाए। उन्होने कहा कि भूमि विवादों से सम्बन्धित प्रकरणों का राजस्व एवं पुलिस की टीम मौके पर जाकर निस्तारण करें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि बालिकाओं/महिलाओं द्वारा प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए। एसपी ने थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि शिकायतकर्ता द्वारा प्राप्त शिकायत का संज्ञान लेकर तुरन्त मौके पर जाकर प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करें और उसकी शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को फोन आदि के माध्यम से सूचित भी किया जाए, ताकि शासन के निर्देशानुसार जीरो टालरेंस नीति के तहत लोगों को न्याय दिलाया जा सके। इस मौके पर एसडीएम जमुनहा एसके राय, थानाध्यक्ष हरदत्त नगर गिरंट महिमानाथ उपाध्याय, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल, बीट निरीक्षक, बीट कांस्टेबल सहित फरियादी उपस्थित रहे।

षड्यंत्रकरियों ने लगाया मोहरबा ग्राम पंचायत गौशाले में व्यवस्था की खबर, जांच में हुआ खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरिक सिंह /बहराइच बहराइच- षड्यंत्रकरियों ने लगाया मोहरबा ग्राम पंचायत गौशाला का बदहली का आरोप लगाया। प्रधान की अनुमति के बाद मीडिया के पहुंचने पर खुला की जांच के दौरान षड्यंत्रकरियों के निराधार। गौशाले की व्यवस्था को के दिन ग्रामीणों ने बताया कि बहराइच लोकप्रिय गांव मोहरबा है जिसमें मवेशीओ को रखा गया है। मवेशियों के लिए सभी प्रकार की चीजें गौशाले अगर खाने की बात करें तो उनके जैसी व्यवस्था है। गौशाला के टेकार नियमित इलाज भी किया जाता है। की जाए तो रोजाना साफ सफाई गौशाले

है। उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ का सपना पूरी तरह से पूरा होता हुआ दिखाई दे रहा है। षड्यंत्रकारियों के द्वारा अव्यवस्था की गलत खबरें गौशाले की चलाई जा रही है मीडिया की जांच के दौरान गौशाले में अच्छे कार्य का मामला सामने आया है। गौशाले का गेट।मीडिया कर्मियों द्वारा लगाया गया आरोप हुआ देख ग्रामीणों में उत्साह है। सोमवार के रिसिया ब्लॉक का एक ऐसा सबसे बड़ा गौशाला है जिसमें 162 के लिए ठंडी गर्मी बरसात से बचने में मौजूद हैं। मवेशियों के लिए लिए पशुहर आटा चोखर खरी नम द्वारा बताया गया की डॉक्टर द्वारा गौशाले की साफ सफाई की बात में तैनात कर्मियों के द्वारा की जाती

Whether it's lunch or dinner, this easy recipe for "Matar Mushroom Masala" will win everyone's heart.

Are you bored with the same everyday dishes and want something easy to make but tastes like a restaurant-style dish? Your search ends here. Matar Mushroom Masala is a wonderful dish that's as simple to make as it is delicious to eat. In this article, you'll learn how to prepare this delicious dish in just a few easy steps. Mushrooms are a good source of protein and vitamin D, while peas add a mild sweetness and a wonderful texture. When combined with the spicy spices and a thick, creamy gravy, it makes a complete and tasty meal for everyone. It can be eaten with roti, naan, or rice. It's a dish that appeals to people of all ages, especially if guests are coming over. Let's learn its easy recipe without delay. Ingredients for Matar Mushroom Masala: Vegetables: 200 grams mushrooms (cleaned and chopped), 1 cup green peas (fresh or frozen). Gravy: 2 onions (finely chopped), 2 tomatoes (puree), 1 teaspoon ginger-garlic paste. Spices: 1/2 teaspoon turmeric, 1 teaspoon coriander powder, 1 teaspoon red chili powder (or to taste), 1/2 teaspoon garam masala, salt to taste. Tempering: 2 tablespoons oil/ghee, 1 bay leaf, 1/2 teaspoon cumin seeds. Method for Matar Mushroom Masala: First, heat a little oil in a pan and fry the chopped mushrooms until they turn light golden. This enhances their flavor and prevents them from releasing water. Now remove them. Add the remaining oil/ghee to the same pan. When the oil is hot, add the cumin seeds and bay leaves. When the cumin seeds begin to crackle, add the finely chopped onions and fry them thoroughly until golden. Once the onions are sautéed, add the ginger-garlic paste and sauté for 1 minute. Add turmeric, coriander powder, and red chili powder and sauté for 30 seconds on low heat. Immediately add the tomato puree and salt. Cook the gravy until the oil begins to separate from the sides. This means the spices are thoroughly cooked. Now add the sautéed mushrooms and green peas. Mix them well with the spices. Add about 1 cup of water for a thicker or thinner gravy, depending on your preference. Add the garam masala and stir. Cover the pan and cook on low heat for 5 to 7 minutes, allowing the peas to soften and all the flavors to meld.

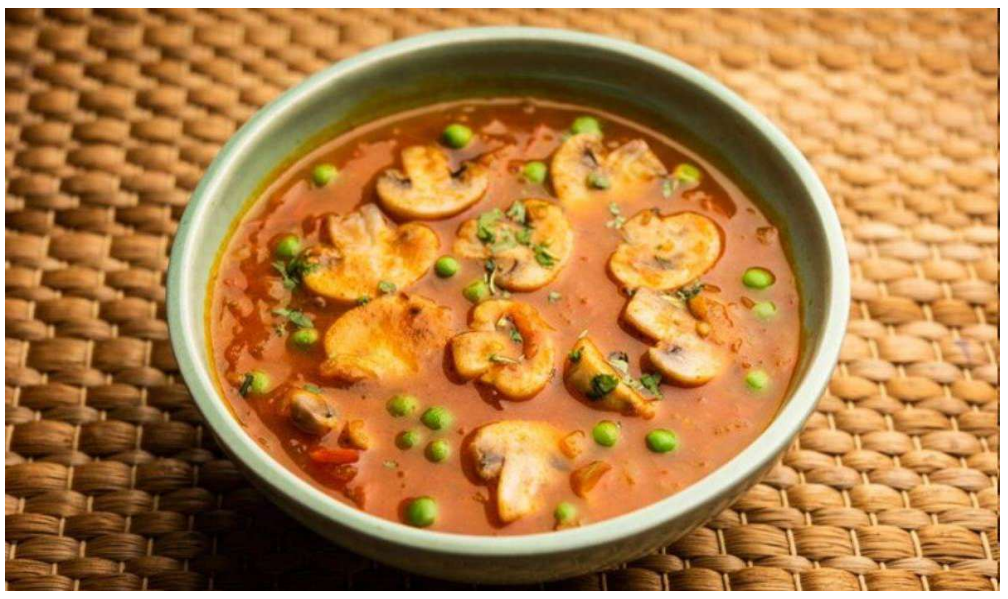

These 5 habits are essential for a happy relationship; they will never let love fade.

Have you ever wondered why some relationships always shine, while others quickly fade into sadness? In reality, a successful and happy relationship isn't driven by magic, but by five daily habits. In today's fast-paced world, when time is scarce, adopting these habits can deepen your connection with your partner, ensuring that the spark of your love never fades. Open communication in a relationship prevents misunderstandings. Respecting each other's decisions and personal space is crucial. It's also important to make each other feel special from time to time. While building relationships is easy, maintaining them is equally difficult. In today's fast-paced life, we often neglect our most cherished relationships, causing the spark of love to slowly fade. If you want your relationship to always remain fresh and full of happiness, these five important habits will help. Yes, by adopting these habits, you can give your love a new strength. Speak openly. The foundation of any strong relationship rests on honesty and open communication. If you can't share your thoughts, your concerns, or your joys with your partner without fear, it can create distance in the relationship. Don't let small misunderstandings fester. Whenever something bothers you, sit down and talk with your partner calmly. Remember, communication is a two-way street—express your opinion and listen carefully to your partner. Respect each other—along with love, respect is like oxygen in a relationship. It's crucial to respect your partner's thoughts, their decisions, and their personal space. It's not necessary to agree on everything, but be polite even when you disagree. Making them feel that you're both equals and that you respect their decisions elevates your relationship. Putting each other down or taunting each other in a relationship quickly kills love. Spend "quality time" together - Just being together isn't enough; it's crucial to spend quality time. This means focusing solely on each other when you're together. Put away your phones and laptops. Even if it's just 15 minutes a day, set aside time to just talk about your day and what you felt. Once a week, try a new activity together (like cooking, going for a walk, or watching a movie). These small moments add excitement and intimacy to your relationship. Don't be stingy with praise - In relationships, we often take our partner's good qualities for granted. It's crucial to make them feel special. Whenever your partner does something for you—whether it's making tea, doing a small errand, or simply understanding your mood—be sure to say thank you. Praise their efforts and give them compliments. This small habit inspires your partner and maintains positivity in the relationship. Give each other space - A healthy relationship is also marked by both partners feeling independent. Allow space for your partner's hobbies, career, and friends. Constantly nagging, doubting, or trying to change them weakens the relationship. Trust is a relationship's greatest asset. When you give each other the freedom to grow personally, you both grow together. Give them enough confidence to live their lives freely. These five habits aren't difficult; they're just small, daily efforts that will maintain love and closeness in your relationship. When you make these things a part of your daily routine, your relationship will grow stronger over time.

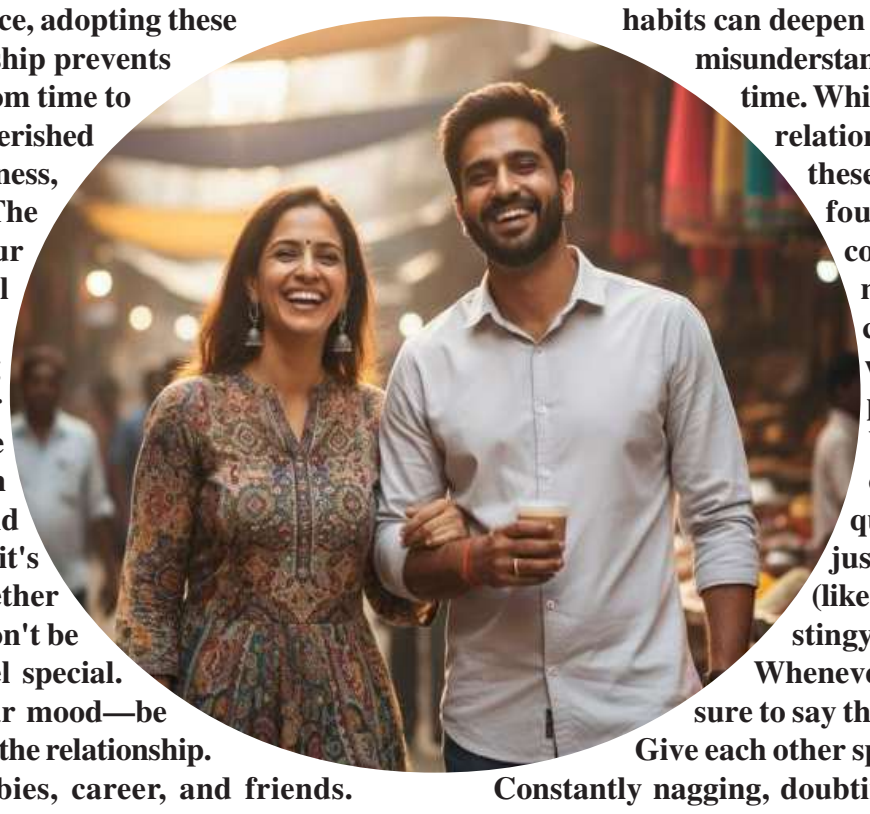

This anti-aging secret will keep you young without exercise, not just us; scientists are saying so.

We all know how important exercise, along with a proper diet, is to staying healthy and slowing aging. But what if you could get some of the benefits of exercise without breaking a sweat? Scientists have recently uncovered this secret, thanks to a small molecule called betaine. During exercise, the kidneys act as a command center. They increase the flow of a metabolite called betaine in the body. Betaine helps deliver anti-aging benefits. If the aging process could be slowed down even slightly, and that too without sweating for hours every day, it would seem nothing short of miraculous. Recent scientific research has shown that a specific element in our bodies called betaine can have this effect. Exercise is generally considered essential for staying fit, but scientists have discovered the key to this (Anti-Aging Secret) benefit, and surprisingly, our kidneys play a major role. The body's 'command center': The study revealed that whether you're hidden resting, engaging in intense exercise, or undergoing any type of training, the kidneys act as a command center. They increase a metabolite called betaine, which activates several vital processes in the body. This betaine performs three key functions: maintaining the body's metabolic balance; reactivating immune cells; reducing inflammation. These three benefits are precisely what make exercise considered an 'anti-aging' activity. Supplementing betaine provides exercise-like benefits: The most interesting finding of the study was that when betaine levels were increased, many of the benefits of long-term regular exercise were observed. Such as: Improved cognitive function and reduced chronic inflammation in the body. This suggests that betaine activates processes within the body that help keep us young and energetic. Where is betaine found? Betaine isn't a foreign or rare element. It's found naturally in beets, spinach, and some other vegetables. It's a small molecule amounts. This is why it's considered safe and natural. Hidden The body also produces it in small secrets revealed in a mega-study: Two leading Chinese institutions, the Chinese Academy of Sciences and Xuanwu Hospital, Capital Medical University, conducted this study together. This was no small undertaking. Researchers closely tracked changes in participants' bodies for six years. They observed how the body responds to short-term exercise and how it changes during prolonged exercise. To do this, advanced multi-omics tools were used to monitor the activities of genes, proteins, metabolites, and even gut bacteria. Why is this discovery special? Until now, we knew that exercise helps keep the body young and healthy, but the exact "how" wasn't entirely clear. This research not only explains the mechanism, but also shows that many of the benefits of exercise can be achieved through a natural compound like betaine. This doesn't mean that a supplement should replace exercise, but rather, it's an opportunity to understand how smart our bodies are and how certain natural compounds help keep them strong.

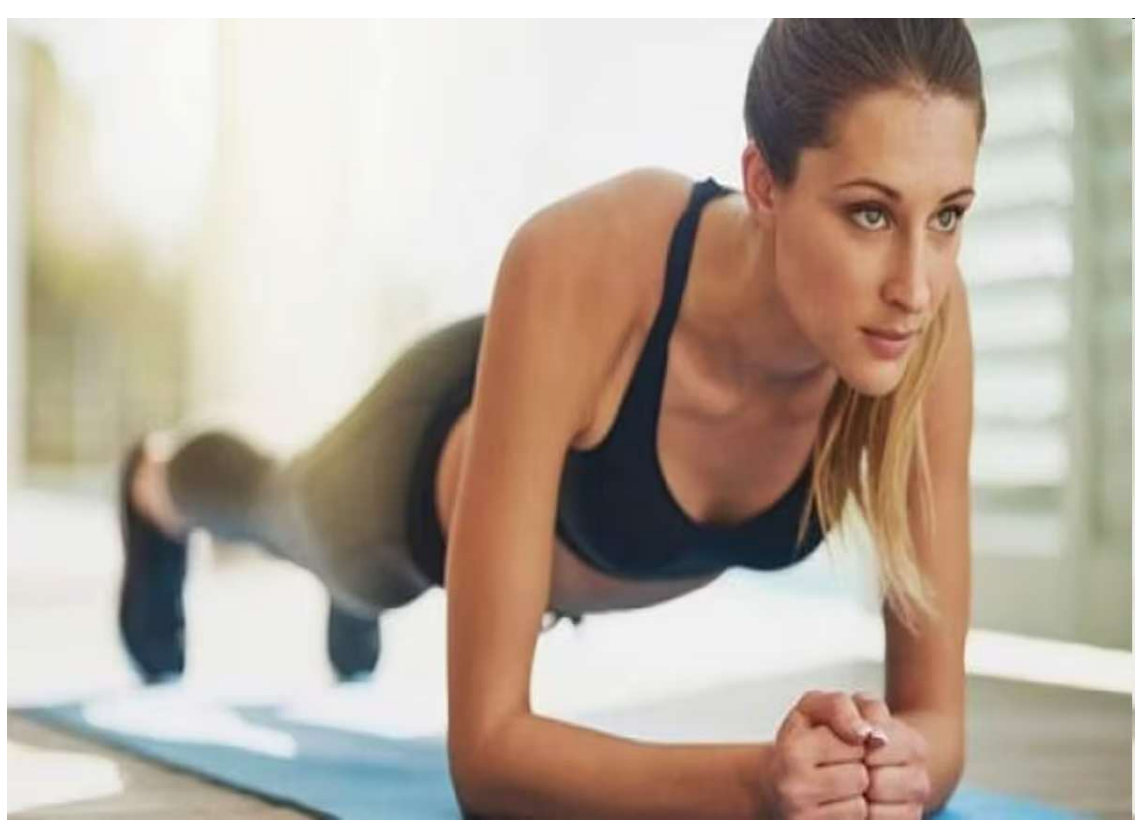

"Some photos are very vulgar..." Viral Girl Girija Oak's Photos Are Tampered With

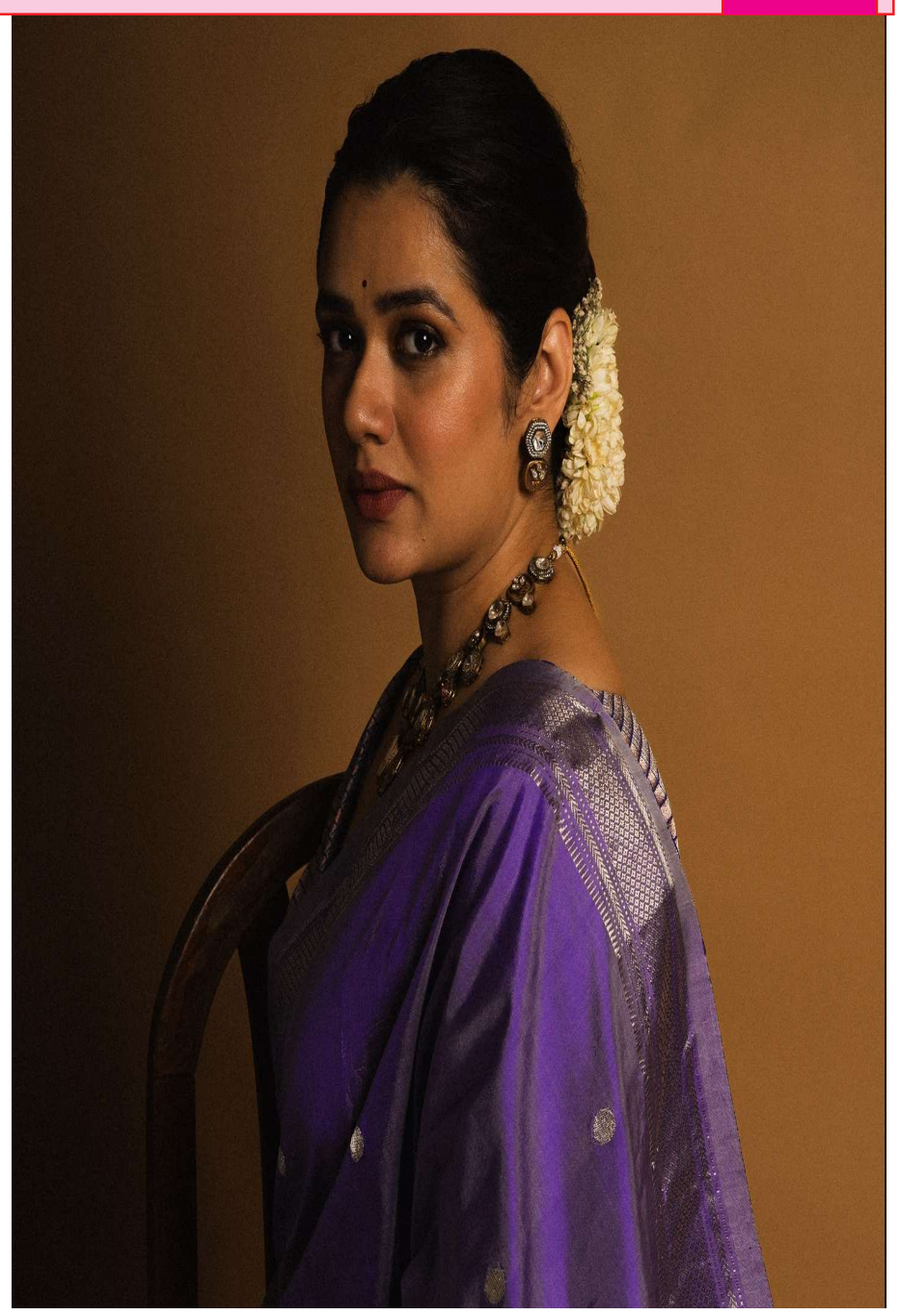

While Girija Oak Godbole, Shah Rukh Khan and Aamir's co-star and overnight star on social media, is overjoyed with the fame, she is also disappointed that her photos have been morphed on social media. She shared a video that is going viral. Girija Oak's Photo Morphed; Won Fans' Hearts with Her Simplicity in a Blue Sari - Girija Oak Tormented for Her Child's Fears Girija Oak, a New Viral Sensation, is on everyone's lips right now. A photo of Marathi and Hindi cinema actress Girija Oak Godbole has made her the new viral girl on social media, as well as a national crush. A few days ago, Girija shared a photo in which she is wearing a blue sari. Her simplicity touched the hearts of fans and made it viral. However, while on one hand users are complimenting her, on the other hand some users are also morphing her pictures using AI, which has completely broken the actress's heart. She has expressed her anger by issuing a statement. Girija's pictures were morphed 'Jawan' actress and new national crush Girija Oak Godbole shared a video on her official Instagram, in which she expressed how sad she is that her picture has been tampered with. She said in the video, "I've been a little confused by what's been happening on social media these past few days. When so much attention is suddenly on you, it's hard to know what to do. I've also received so much love. I want to thank you all for so much love." She continued in the video, "My family has been sending me different images and memes, some of which are very good and some are funny. Some of these images and posts are quite obscene; my photos are being morphed using AI and posted. I'm a girl of this generation, I use social media and I know how social media works. Social media is a whole game we all play. I know about the game, but there are no rules to this game, nothing is fixed, and that scares me." Fear for her 12-year-old son. Girija further expressed concern for her son, saying, "I have a 12-year-old son, He's not a social media user today, but in a few years he will be. These photos of men and women being edited, morphed, and made obscene using AI will only be visible today or tomorrow, but they will remain on social media forever. Perhaps my son, when he grows up, might see them. I'm afraid of how he'll react. He'll know this is an AI photo, just like people know today, but he's being manipulated, and it's horrifying to see. I can't do much, but I don't think it's right to do nothing about such photos. If you're one of those people editing and viewing them, don't do it. But if you're not one of those people, just viewing them, don't do it."

Some left home at the age of 11... Some sat on the stairs listening to their parents' fights. Stories from the childhood of stars

Observing the lives of superstars often makes the average person wonder what they must have endured. However, there are many stars whose childhoods were filled with trauma, as some were abused as children, while others left home at the age of 11. These stars never forgot their childhood trauma; this actress sexually abused in their childhood. Whenever people are in any tension. Childhood is very special for everyone, because age. Sometimes, we also receive wounds in childhood that are childhood, which even today make them emotional when they childhood traumas have left such a profound impact on their Although Ranbir Kapoor is a member of Bollywood's largest bitter memory from his childhood that he has never forgotten. trauma. In this podcast, Ranbir Kapoor revealed that his father He explained that when he was young, he often witnessed his whenever his parents quarreled, he would run upstairs to listen but my father wasn't. Maybe it was because men weren't as on Ranveer Allahabadia's show, revealing that he left home when and home to my uncle's house in Ludhiana. My uncle told my what I wanted." Diljit further said, "At the age of 11, my connection with my family was broken. My father simply told me that I would find a place to live and food to eat; the rest is your life." Kangana Ranaut - While doing Lockup, Kangana Ranaut also revealed that she was once abused as a child. There was a man in her hometown who was trying to touch her inappropriately. She also revealed that the man was exploring his sexuality. Katrina Kaif - Katrina Kaif also suffered a lot in her childhood. Her parents divorced when she was young. Her mother, Suzanne, single-handedly raised and educated six children. In an interview with NDTV, Katrina said that after her father's death, there was a feeling of 'emptiness' within her. Kalki Koechlin - Kalki Koechlin revealed in an interview that she was sexually abused when she was just 9 years old. However, at that time, she was afraid that her mother would not find out about it. She also told that she had not told this to anyone for many years. Palak Tiwari Palak Tiwari is also one of those star kids who had to bear the pain of separation of their parents not once, but twice. Shweta Tiwari married Bigg Boss ex-contestant Raja Chaudhary in the year 1998. Palak was born in 2000, but in 2012, Shweta divorced Raja Chaudhary, accusing him of domestic violence. After this, in the year 2013, Shweta Tiwari married Abhinav Kohli, but they also got divorced in 2019.

Kareena and Ranbir are lost in childhood memories; after the teaser, when will the trailer be released?

On Children's Day, a short video of "Dining with the Kapoors" surfaced, showing the entire Kapoor family, including Kareena Kapoor and Ranbir Kapoor, lost in childhood memories. The trailer will be released soon. heartwarming glimpse into nostalgia and their love for food, this charming and playful nature. When Dining with the Kapoors. Filled love for food, this teaser offers a family. One of the cutest moments placed at their seat at the dining family. A glimpse of the Kapoor Kapoor Khan, looking stunning in husband Saif Ali Khan to their son Everyone in the room instantly Nostalgia brought back: Fans also Nanda's childhood, bringing back post, "Happy Children's Day from Kapoors releases tomorrow!" The Kapoor family's legacy intimately. on films like "My Name Is Khan," before he transitioned to acting with

Netflix has given fans a pre-festival gift, offering a Bollywood's most famous family. From banter to teaser beautifully captures the Kapoor family's will the trailer release? Netflix is ??giving fans a gift: with laughter, nostalgia, and, of course, a mutual sweet and personal glimpse into the iconic Kapoor is how each family member's childhood photo is table, which funnily showcases your place in the clan's childhood on Children's Day: Kareena a yellow dress, couldn't help but compare her Taimur Ali Khan after seeing his childhood photo. recognized it and burst out in joy, exclaiming "Tim!" got to see glimpses of Ranbir Kapoor and Navya sweet and nostalgic memories. Netflix captioned the the Kapoor family. The trailer for Dining with the series is produced by Armaan Jain, who knows the Armaan's film career began as an assistant director "Ek Main Aur Ekk Tu," and "Student of the Year," "Lekar Hum Deewana Dil." While this debut wasn't a commercial success, Armaan found his true calling in production, leading to this heartwarming Netflix project. "Dining with the Kapoors" isn't just a food-themed show; it's a celebration of a family legacy stretching back to Prithviraj Kapoor and Raj Kapoor. It will premiere on Netflix on November 21, 2025.